संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
मंगलवार
9 सितंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 76
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब मंत्रिमंडल ने ऐतिहासिक फैसले लेकर बाढ़ पीड़ितों के साथ एकजुटता व्यक्त की

फसलों के नुकसान के लिए प्रति एकड़ 20,000 रुपए मुआवजे को मंजूरी, देश में अब तक का सबसे अधिक मुआवजा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में मंत्रिमंडल ने आज ऐतिहासिक फैसले लेते हुए 'जिसका खेत, उसकी रेत' की जन-हितैषी नीति को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत एक विशेष अवसर प्रदान करते हुए किसानों को भयंकर बाढ़ के कारण खेतों में जमा रेत और मिट्टी निकालने के साथ-साथ, यदि वे चाहें, तो इसे बेचने की छूट दी जाएगी।

इस बारे में फैसला आज सुबह मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उनकी सरकारी आवास पर हुई मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान लिया गया। मुख्यमंत्री ने इस बैठक में मोहाली के फोर्टिस अस्पताल से वर्चुअल रूप से भाग लिया, जहां वे इलाज के लिए भर्ती हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि बाढ़ के कारण पानी की मार झेल रहे खेतों में रेत और मिट्टी जमा हो चुकी है। इन खेतों के किसानों को बड़ी राहत देने के लिए यह फैसला लिया गया कि किसानों को अपने खेतों में जमा रेत और मिट्टी निकालने की अनुमति दी जाएगी और यदि वे चाहें तो इसे बेच भी सकेंगे। 'जिसका खेत, उसकी रेत' नीति के तहत सभी बाढ़ प्रभावित गांवों में किसानों को इस साल 31 दिसंबर तक बिना किसी परमिट के अपनी जमीन से रेत निकालने की अनुमति होगी।

कृषि योग्य जमीन से मिट्टी/रेत/नदियों के माध्यम से जमा सामग्री निकालने का यह एकमुश्त अवसर माना जाएगा, लेकिन इसे खनन सामग्री नहीं माना जाएगा। संबंधित जिले का डिप्टी कमिश्नर जिले में प्रभावित गांवों की सूची घोषित करेगा, जहां बाढ़ के कारण रेत या गाद जमा होने से प्रभावित किसानों/काश्तकारों/किसान समूहों द्वारा मिट्टी/रेत/नदियों के माध्यम से जमा सामग्री को निकालने और ढोने का कार्य किया जा सकेगा। हाल ही में आई बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए सभी जिला खनन अधिकारियों के साथ-साथ जिला और उप-मंडल स्तर की निगरानी कमेटियां प्रभावित खेतों से मिट्टी/रेत/नदियों के माध्यम से जमा सामग्री को बिना जमीन की मूल सतह के साथ छेड़छाड़ किए हटाने और ढोने में सहयोग करेंगी।

फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए मंत्रिमंडल ने फैसला किया कि पंजाब सरकार प्रति एकड़ 20,000 रुपए का मुआवजा देगी, जो न केवल पंजाब में बल्कि पूरे देश में अब तक का सबसे अधिक मुआवजा है। गंभीर संकट में फंसे किसानों को उबारने के लिए राज्य सरकार ने यह महत्वपूर्ण फैसला लिया है ताकि किसानों को अत्यंत आवश्यक राहत दी जा सके।

पंजाब टाउन इम्प्रूवमेंट एक्ट, 1922 में संशोधन को मंजूरी

मंत्रिमंडल ने राज्य की शहरी स्थानीय इकाइयों को म्यूनिसिपल डेवलपमेंट फंड के माध्यम से इम्प्रूवमेंट ट्रस्टों के फंडों का उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए पंजाब टाउन इम्प्रूवमेंट एक्ट, 1922 में संशोधन को मंजूरी दे दी। राज्य सरकार द्वारा शहरी बुनियादी ढांचे के कार्यों के लिए म्यूनिसिपल डेवलपमेंट फंड की स्थापना की गई थी, जिसके लिए प्रत्येक वर्ष प्रांतीय बजट से धन प्राप्त होता है। शहरी निकाय इकाइयों द्वारा शहरी बुनियादी ढांचे के कार्यों के लिए इम्प्रूवमेंट ट्रस्टों को अपनी संपत्तियों के निपटान से प्राप्त फंडों का उपयोग करने में सक्षम बनाने के लिए इस एक्ट में धारा 69बी जोड़ी गई है, जिसके तहत जमीन, इमारतों या अन्य चल-अचल संपत्तियों के निपटान से ट्रस्ट को मिलने वाले धन का हिस्सा, जैसा कि निर्धारित हो, म्यूनिसिपल डेवलपमेंट फंड में स्थानांतरित किया जाएगा।

बिक्रम मजीठिया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी

मंत्रिमंडल ने पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 19 के तहत मुकदमा चलाने की सहमति दे दी। पंजाब के एडवोकेट जनरल (ए.जी.) की सलाह के बाद पूर्व कैबिनेट मंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी के मामले पर पहले मंत्रिमंडल में विचार करने की आवश्यकता थी और इसके बाद यह मामला अब आगे के आदेश के लिए राज्यपाल को भेजा जाएगा।

खरीफ खरीद सीजन 2025 के लिए कस्टम मिलिंग नीति को मंजूरी

मंत्रिमंडल ने 16 सितंबर से 30 नवंबर 2025 तक चलने वाले धान की खरीद के लिए खरीफ खरीद सीजन 2025-26 के लिए कस्टम मिलिंग नीति को हरी झंडी दे दी। 'खरीफ 2025-26 के लिए पंजाब कस्टम मिलिंग नीति' के प्रस्तावों के अनुसार चावल मिलों को विभाग द्वारा समय पर मंडियों के साथ ऑनलाइन जोड़ा जाएगा। चावल मिलों के लिए आर.ओ. स्कीम के तहत धान का आवंटन एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आटोमेटिक होगा। योग्य चावल मिलों में धान, इस नीति के प्रस्तावों और प्रांतीय एजेंसियों व चावल मिल मालिकों के बीच हुए समझौते के अनुसार भंडारित होगा। 'खरीफ 2025-26 के लिए पंजाब कस्टम मिलिंग नीति' में प्रस्तावित है कि चावल मिल मालिकों को नीति और समझौते के अनुसार 31 मार्च, 2026 तक भंडारित धान का बनता चावल डिलीवर करना होगा।

पंजाब स्टेट माइनर मिनरल पॉलिसी-2023 में संशोधन को हरी झंडी

रेत खदानों के आवंटन को और प्रभावी बनाने, अतिरिक्त राजस्व जुटाने और रेत-बजरी की आपूर्ति बढ़ाने के उद्देश्य से मंत्रिमंडल ने 'पंजाब स्टेट माइनर मिनरल पॉलिसी, 2023' और 'पंजाब माइनर मिनरल्स रूल्स, 2013' के संबंधित नियमों में संशोधन को मंजूरी दे दी। 'पंजाब स्टेट माइनर मिनरल पॉलिसी 2023' और 'पंजाब माइनर मिनरल्स रूल्स 2013' दोनों में ये संशोधन नीलामी प्रक्रियाओं, खनन के अधिकार देने, रियायत की अवधि, रियायत की राशि, जमानत राशि का भुगतान, पर्यावरण मंजूरी मांगने के लिए जिम्मेदारी में बदलाव, 'डेड रेंट' की अवधारणा लाने से संबंधित हैं। इन नए नियमों/संशोधनों को मौजूदा पंजाब स्टेट माइनर मिनरल्स पॉलिसी, 2023 और पंजाब स्टेट माइनर मिनरल्स रूल्स 2013 में जोड़ा/बदला जाएगा। इसके अलावा, 30 अप्रैल 2025 की पंजाब स्टेट माइनर मिनरल (संशोधन) नीति के अनुसार रॉयल्टी की दरों में भी वृद्धि करने की आवश्यकता है। इसके तहत स्टेट जियोलॉजिस्ट के पास नियम 87 के अनुसार मूल्यांकन आदेशों के खिलाफ अपील सुनने की शक्तियां होंगी। वर्तमान में यह पद खाली है, इसलिए विभाग के अन्य अधिकारियों को ये शक्तियां देने के लिए सरकार को अधिकृत करने का प्रस्ताव है ताकि अपीलों से संबंधित कार्य प्रभावित न हो।

एस.एम.ई.टी. के गठन को मंजूरी

मंत्रिमंडल ने राज्य में खनिज संसाधनों के योजनाबद्ध विकास और इनकी खोज के कार्यों की निगरानी के लिए पंजाब स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (एस.एम.ई.टी.) के गठन को भी सहमति दे दी। यह ट्रस्ट विजन, मिशन प्लान, खोज के लिए मास्टर प्लान तैयार करेगा, जंगल क्षेत्र की खोज के लिए फंड जुटाएगा, सर्वेक्षण सुविधा, क्षमता वृद्धि वाले कार्यक्रम आयोजित करेगा, खोज और विकास गतिविधियों की योजना बनाएगा, विभागीय प्रयोगशाला को मजबूत और उन्नत करेगा, अधिकारियों और तकनीकी व्यक्तियों की नियुक्ति करेगा, स्टेट मिनरल डायरेक्ट्री विकसित करेगा, नवाचार को प्रोत्साहित करेगा, खोज परियोजनाओं के लिए लॉजिस्टिक सहयोग प्रदान करेगा।

पीएम मोदी के दौरे से पहले AAP ने 20 हजार करोड़ रुपये के राहत पैकेज की मांग की

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब सरकार के मंत्री अमन अरोड़ा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि राज्य के दौरे के समय वह बाढ़ग्रस्त पंजाब के लिए कम से कम 20 हजार करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा करें। प्रधानमंत्री मोदी बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए नौ सितंबर को पंजाब का दौरा करेंगे।

अरोड़ा ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'हालांकि प्रधानमंत्री ने बाढ़ग्रस्त पंजाब के लिए अभी तक एक शब्द भी नहीं कहा है लेकिन वह हमारे प्रधानमंत्री हैं और मैं उनका हाथ जोड़कर उनका स्वागत करता हूं। मैं यह भी उम्मीद करता हूं कि वह अपने इस दौरे में पंजाब के साथ खड़े नजर आएंगे।'

मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा हाल ही में प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में राज्य के कोष के 60,000 करोड़ रुपये मांगे जाने का जिक्र करते हुए अरोड़ा ने कहा कि यह पंजाब का अधिकार है और इसे जारी किया जाना चाहिए। मान ने कुछ दिन पहले राज्य के 60,000 करोड़ रुपये जारी करने के लिए मोदी को पत्र लिखते हुए दावा किया था कि यह धनराशि भारत सरकार के पास अटकी हुई है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा था कि पंजाब दशकों में सबसे खराब बाढ़ आपदाओं में से एक से जूझ रहा है।

अरोड़ा ने कहा कि मौजूदा बाढ़ की स्थिति 1988 की बाढ़ से भी बदतर है। उन्होंने कहा, 'केंद्र को पंजाब के लिए कम से कम 20,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा करनी चाहिए।'

उन्होंने कहा कि बाढ़ से 4.50 लाख एकड़ से अधिक क्षेत्र की फसलें नष्ट हो गई हैं, तथा पशुधन और घरों को भी नुकसान पहुंचा है। आप की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अरोड़ा ने कहा कि बाढ़ प्रभावित खेतों में गाद जमा होने के कारण किसानों के लिए अगली फसल उगाना चुनौती भरा काम होगा।

उन्होंने कहा, 'हम प्रधानमंत्री के आगमन का स्वागत करते हैं लेकिन उनको संकट की इस घड़ी में राज्य के लिए 60,000 करोड़ रुपये जारी करने और 20,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की भी घोषणा करनी चाहिए।'

नेपाल में सुरक्षा बलों से हिंसक झड़प में 15 से अधिक प्रदर्शनकारियों की मौत, सैकड़ों लोगों की हालत गंभीर

काठमांडू। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के बाद काठमांडू में सोमवार को सरकार के फैसले के खिलाफ जेन जी (युवाओं) ने काठमांडू में प्रदर्शन किया। इस दौरान सुरक्षा बलों के साथ हिंसक झड़प में कम से कम 15 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई।

सुरक्षा बलों ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस, पानी की बौछारें, रबर की गोलियां और हवाई फायरिंग भी की। इसके बावजूद युवा प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाकर्मियों के साथ झड़प होती रही।

दरअसल 25 अगस्त को नेपाल कैबिनेट ने फैसला किया था कि सभी सोशल मीडिया ऑपरेटर्स को सात दिनों के भीतर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। 4 सितंबर को नेपाल सरकार ने फेसबुक, मैसेंजर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सएप, एक्स, रेडिट समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ब्लॉक कर दिया था।

इस प्रतिबंध के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर करने के लिए सैकड़ों प्रदर्शनकारी काठमांडू के मैतीघर में एकत्र हुए, जिससे युवा नेपालियों में व्यापक आक्रोश फैल गया। प्रदर्शनकारी प्रतिबंधित क्षेत्रों में घुसने लगे।

प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षाबलों ने बैरिकेड लगा दिए, लेकिन युवा प्रदर्शनकारी जब न्यू बानेश्वर स्थित संसद परिसर में घुस गए तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई।

काठमांडू और आसपास के प्रमुख इलाकों में तुरंत कर्फ्यू लगा दिया गया और स्थिति से निपटने के लिए नेपाली सेना ने मोर्चा संभाल लिया। प्रदर्शन के दौरान गंभीर रूप से घायल पांच लोगों की मौत ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान हो गई। इसके अलावा दो ने सिविल अस्पताल और एक ने काठमांडू मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। प्रमुख नेपाली दैनिक 'द हिमालयन टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार, कुछ पीड़ितों की पहचान हो गई है, अन्य की पुष्टि होनी बाकी है। हिंसा में सैकड़ों लोग घायल भी हुए, जिनमें प्रदर्शनकारी, पत्रकार और सुरक्षाकर्मी शामिल हैं, जिनमें से कई का काठमांडू के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। कई की हालत गंभीर बनी हुई है। अधिकारियों ने बानेश्वर में स्थिति को 'बेहद तनावपूर्ण' बताया और दावा किया कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव किया और संसद परिसर में जबरन घुस गए, जिसके बाद उन्हें निकाल दिया गया।

हरियाणा सरकार प्राकृतिक आपदा के समय नागरिकों के साथ खड़ी, राहत उपायों के लिए तत्काल 3.26 करोड़ रुपये किए जारी : नायब सिंह

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में भारी बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ जैसे हालातों में प्रभावित लोगों को तत्काल राहत उपायों के लिए सरकार ने जिलों को आरक्षित निधि के रूप में कुल 3 करोड़ 26 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। इस धनराशि का उपयोग प्रभावित लोगों को भोजन, वस्त्र, अस्थायी आश्रय, तंबू, पशुओं के लिए चारा और पेट्रोल, डीजल व अन्य ईंधन सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं, राहत सामग्री के परिवहन और ग्रामीण क्षेत्रों में जल निकासी कार्यों के लिए किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री आज यहां मंत्रिमंडल की अनौपचारिक बैठक के बाद प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह दुख की बात है कि इस प्राकृतिक आपदा में मकान ढहने से प्रदेश के 13 लोगों की जान चली गई। इनमें जिला फतेहाबाद में चार, भिवानी में तीन, कुरुक्षेत्र व यमुनानगर में दो-दो और हिसार व फरीदाबाद में एक-एक व्यक्ति शामिल हैं। शोक संतप्त परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सरकार ने तुरंत 52 लाख रुपये की अनुग्रह सहायता जारी की है। प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 4 लाख रुपये की राशि दी जाएगी। इसके अलावा, घायलों को भी मदद के लिए 2 लाख रुपये प्रदान किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने बाढ़ से नागरिकों को हुई कठिनाइयों को कम करने के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल खोला हुआ है। इसका उद्देश्य आम जनता द्वारा अपने नुकसान व क्षति के लिए आवेदन जमा करने की प्रक्रिया को आसान बनाना है। साथ ही प्रभावित लोगों को हुए नुकसान के समयबद्ध तरीके से सत्यापन और मुआवजे के वितरण की प्रणाली में पारदर्शिता लाना है। अब तक क्षतिपूर्ति पोर्टल पर प्रदेश के 5217 गांवों के 2 लाख 53 हजार 440 किसानों ने 14 लाख 91 हजार 130 एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण करवाया है। इस क्षेत्र के सत्यापन का काम जारी है।

उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण जिन लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा, ऐसे लोगों के लिए राहत शिविर लगाए गए हैं। जिन क्षेत्रों में पानी भर गया है वहां खराब फसलों के लिए प्रति एकड़ 15 हजार रुपये तक का मुआवजा दिया जाएगा। ऐसे क्षेत्रों में हरे चारे की कमी हुई तो इस समस्या को दूर करने के लिए उन जिलों से सूखा चारा मंगवाने का निर्णय लिया है, जिनमें जलभराव की समस्या नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए गए हैं कि जलभराव वाले क्षेत्रों में गिर गए अथवा आंशिक नुकसान वाले मकानों का सर्वे करवाया जाए। इसके अलावा, जो परिवार 20 वर्षों से पंचायती जमीन या इस प्रकार की अन्य जमीन पर काबिज हैं, उनके मकानों को भी यदि नुकसान हुआ है तो उनकी भी सूची तैयार की जाएगी और उन्हें भी आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों में डॉक्टरों की टीमें भेजकर उनकी चिकित्सा के व्यापक प्रबंध किये हैं। प्रभावित लोगों को चिकित्सा शिविर लगाकर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे इस स्थिति में जल की स्वच्छता का ध्यान रखें और पानी को उबालकर पीएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संकट की घड़ी में सरकार लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। किसी भी नुकसान की स्थिति में प्रभावित लोगों को नियमानुसार आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 2 दिनों में उन्होंने स्वयं जलभराव वाले गांवों में जाकर स्थिति का जायजा लिया है और लोगों से बात की है। धरातल पर नरमा, धान व बाजरा की फसलों को नुकसान हुआ है। इसके लिए अधिकारियों को ड्रोन से भी मैपिंग करवाने की निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्थिति नियंत्रण में है और अधिकारी व कर्मचारी मुस्तैदी से लोगों को आवश्यक सुविधाएं व सहायता पहुंचा रहे हैं।

इस अवसर पर सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक के. मकरंद पांडुरंग और मुख्यमंत्री ओएसडी भारत भूषण भारती उपस्थित रहे।

मोटी-मोटी बातें

जब भी भारत पर कोई विपत्ति आती है, कांग्रेस का युवराज विदेश चला जाता है : नायब सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा जनता के बीच मौजूद रहते हैं। सीएम सैनी का यह बयान पंजाब में विनाशकारी बाढ़ की स्थिति के बीच आया है, जहां पीएम मोदी 9 सितंबर को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने वाले हैं।

मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी प्राकृतिक आपदा के समय सबसे पहले जनता के बीच पहुंचते हैं, अपने कार्यक्रम रद्द करके लोगों की मदद करते हैं। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी का गुरदासपुर और पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा पहले से तय था, और वे हिमाचल भी जाएंगे। उनके नेतृत्व में देश प्रगति कर रहा है, और लोगों का विश्वास उनकी नीतियों पर है।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी जो कहते हैं, उसे मन और दिल से बोलते हैं और समयबद्ध तरीके से पूरा करते हैं। राहुल गांधी के मलेशिया दौरे पर तंज कसते हुए सीएम सैनी ने कहा कि जब भी भारत पर कोई विपत्ति आती है, कांग्रेस का युवराज विदेश चला जाता है। उन्होंने इसे कांग्रेस का इतिहास बताया।

सैनी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष के नेता का बाहर जाना अच्छा है, वरना वे घर बैठकर सिर्फ पोस्ट करते रहते थे। अब उन्हें बाहर निकलने की जरूरत महसूस हुई, जो एक अच्छी बात है। पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ के बीच हरियाणा के सीएम ने हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के अस्वस्थ होने पर आज मोहाली स्थित अस्पताल में भेंट कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें शीघ्र स्वस्थ करें।"

बिहार एसआईआर मामले में सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला, अब आधार भी होगा मान्य

नई दिल्ली। बिहार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अहम आदेश जारी किया है। कोर्ट ने चुनाव आयोग को आधार को भी अन्य 11 मान्य दस्तावेजों के बराबर मानने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के तौर पर माना जाएगा। हालांकि, चुनाव आयोग आधार का सत्यापन कर सकता है कि आधार सही या नहीं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम साफ कर दे रहे हैं कि आधार सिर्फ निवास के प्रमाण के लिए है न कि नागरिकता तय करने के लिए। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने यह आदेश याचिकाकर्ता योगेंद्र यादव की दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है।

याचिकाकर्ता योगेंद्र यादव ने सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश की सराहना करते हुए कहा कि इससे लाखों-करोड़ों लोगों के वोट अधिकार की रक्षा होगी। उन्होंने चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हुए कहा कि एसआईआर वोट बंदी की प्रक्रिया है। यह आम लोगों से उनके सबसे अहम अधिकार को छीनने की प्रक्रिया है, क्योंकि लोगों से वो दस्तावेज मांगे जा रहे थे जो उनके पास है ही नहीं, लेकिन जो दस्तावेज आमजन के पास हैं उसे अमान्य माना जा रहा था।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग लगातार अपनी मनमानी करता आया है। उसने सुप्रीम कोर्ट के सुझाव और इशारे को भी नजरंदाज किया, लेकिन अब इस मामले में कोर्ट ने आदेश भी जारी कर दिया है। योगेंद्र यादव ने कहा कि यह वोटरों के लिए बड़ी राहत है। इससे न सिर्फ बिहार के लाखों वोटर बल्कि देश के करोड़ों मतदाता वोटर लिस्ट से बाहर होने से बच गए हैं।

वहीं, साल 2026 के अप्रैल महीने में 5 राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, जिनमें असम, बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट में इन राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया शुरू करने को लेकर याचिका दायर की गई है।

वकील अश्वनी उपाध्याय की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस मामले में अब अगली सुनवाई 15 सितंबर को होगी।

बाढ़ में सेना का सहारा, 21 हजार लोगों को बचाया, 29 पुल बनाए, 10 हजार लोगों को दिया उपचार

नई दिल्ली। देश के अनेक हिस्से इस वर्ष भयंकर बाढ़ से प्रभावित हैं। ऐसे कठिन समय में भारतीय सेना ने आपदा में फंसे आम देशवासियों की तरह मदद का हाथ बढ़ाया है। भारतीय सेना ने बाढ़ में फंसे 21 हजार से अधिक नागरिकों को सुरक्षित बचाया है। वहीं देश भर के विभिन्न बाढ़ प्रभावित इलाकों में हजारों लोगों को उपचार मुहैया कराया जा रहा है। सैकड़ों घंटे की हेलीकॉप्टर उड़ानों से हजारों बाढ़ पीड़ितों तक राहत सामग्री पहुंचाई गई है। सेना के मुताबिक अकेले पंजाब में ही अब तक करीब 10 हजार लोगों को बचाया जा चुका है।

गौरतलब है कि पंजाब इस वर्ष भयंकर बाढ़ का सामना कर रहा है और राज्य के अधिकांश जिले बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं। सेना ने अपने इस अभियान से 'सेवा परमो धर्म' की मिसाल कायम की है। सेना ने अग्रिम चौकियों पर तैनात लगभग 500 सुरक्षा बल कर्मियों को भी सुरक्षित निकाला है। भारतीय सेना की कुल 126 रेस्क्यू कॉलम्स (बड़ी टीमों) को राहत कार्यों में लगाया गया। सेना की इन विभिन्न टीमों की मदद से अब तक 21,500 से अधिक नागरिकों को सुरक्षित निकाला गया है। ये बचाव अभियान हिमाचल, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र समेत देश के विभिन्न इलाकों में चलाए गए।

सेना न केवल बाढ़ के दौरान लोगों को बचाने का काम कर रही है बल्कि बाढ़ से प्रभावित हुए व्यक्तियों को उचित उपचार भी प्रदान कर रही है। जिन इलाकों से पानी उतरा है या फिर बाढ़ग्रस्त इलाकों से सुरक्षित निकाले गए लोगों को भी चिकित्सा सहायता की आवश्यकता होती है। अकेले सेना ने अब तक लगभग ऐसे करीब 9,700 लोगों को चिकित्सकीय सहायता प्रदान की है। इसके साथ ही बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को 23,500 किलोग्राम से अधिक राहत सामग्री वितरित की गई है। इस राहत सामग्री में आवश्यक दवाएं, खाने-पीने की वस्तुएं, पीने के लिए साफ पानी, बिस्तर व वस्त्र आदि जरूरी चीजें शामिल हैं।

इस कठिन समय में सेना ने एक बार फिर यह साबित किया है कि आपदा की घड़ी में उसकी प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा और सेवा है। सेना के मुताबिक अप्रैल 2025 में मानसून के आगमन से लेकर अब तक सेना की टुकड़ियां 75 से अधिक स्थानों पर राहत एवं बचाव कार्यों में लगातार जुटी हुई हैं। बाढ़ के कारण जो इलाके बाकी हिस्सों से कट गए हैं, सेना उन इलाकों में कनेक्टिविटी बहाल करने का काम भी कर रही है। संचार और राहत कार्यों को बनाए रखने के लिए सेना के इंजीनियरों ने देश भर के अलग-अलग बाढ़ग्रस्त हिस्सों में 29 पुलों का निर्माण किया है। इनमें से एक पुल की लंबाई 110 फीट है।

ये वे पुल हैं जो बाढ़, बरसात, भूस्खलन आदि के कारण क्षतिग्रस्त हो गए थे या फिर पूरी तरह से टूट गए थे। इस कारण से कई महत्वपूर्ण स्थानों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई थी। सेना की मदद से इन पुलों का निर्माण कर इन इलाकों की आवाजाही एक बार फिर सुनिश्चित की गई है।

मुख्यमंत्री ने पांच करोड़ की सहायता के लिए त्रिपुरा सरकार का आभार व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज यहां त्रिपुरा राज्य सरकार का हिमाचल प्रदेश को इस वर्ष भारी बारिश से आई आपदा से निपटने के लिए पांच करोड़ रुपये की सहायता राशि आपदा राहत कोष में प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आपदा की इस घड़ी में प्रभावितों को मदद प्रदान करने में यह सहायता कारगर साबित होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युद्ध स्तर पर राहत एवं पुनर्वास कार्य चला रही है। उन्होंने प्रदेश की खुले मन से मदद करने वाले सभी अंशदाताओं का भी आभार व्यक्त किया।

आपदा राहत कोष के लिए सीनियर सीटिज़न एसोसिएशन सोलन ने किया 50 हजार रुपए का चैक भेंट

सोलन। सीनियर सीटिज़न एसोसिएशन सोलन द्वारा आज यहां आपदा राहत कोष में योगदान स्वरूप 50 हजार रुपए का चैक भेंट किया गया।एसोसिएशन ने सोलन के उपायुक्त मनमोहन शर्मा को यह चैक भेंट किया। मनमोहन शर्मा ने आपदा की इस घड़ी में प्रदेशवासियों के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान देने के लिए एसोसिएशन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आशा जताई कि एसोसिएशन के यह प्रयास अन्य को भी इस दिशा में प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर सीनियर सीटिज़न एसोसिएशन सोलन के अध्यक्ष डॉ. पंकज खुल्लर, उपाध्यक्ष रमेश कुमार, कोषाध्यक्ष श्रीमती विजय शर्मा, वरिष्ठ सदस्य एस.एन. कपूर व हरीश शर्मा भी उपस्थित थे।

10 सितम्बर को खनियारा फीडर के तहत बिजली बंद

धर्मशाला। सहायक अभियंता विद्युत उपमंडल, सिद्धपुर संतोष कुमार ने जानकारी दी है कि 10 सितम्बर, 2025 को प्रातः 9:30 बजे से सायं 5 बजे तक विद्युत लाईनों की मरम्मत के लिए खनियारा फीडर के तहत आने वाले थात्रि, तरापड़ा, झियोल, पटोला, ठेहर इत्यादि क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने कहा कि मौसम खराब होने या अन्य आकस्मिक परिस्थिति में यह कार्य स्थगित या आंशिक रूप से किया जा सकता है। उन्होंने क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की।

मिशन शक्ति के तहत विशेष जागरूकता अभियान आयोजित

सोलन। महिला एवं बाल विकास विभाग सोलन द्वारा आज यहां मिशन शक्ति के तहत विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता ज़िला मिशन समन्वयक सोलन रेनू शर्मा ने दी। रेनू शर्मा ने कहा कि जागरूकता अभियान का उद्देश्य महिलाओं व किशोरियों को एनीमिया, सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम, महिलाओं को प्रभावित करने वाले कैंसर की रोकथाम व इसकी शीघ्र पहचान के बारे में अवगत करवाकर उनके जागरूकता स्तर को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति एक व्यापक एवं दूरदर्शी पहल है। इसका उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षा, संरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए सशक्त बनाना है। शिविर में उपस्थित महिलाओं को केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा महिला एवं बाल विकास के लिए कार्यान्वित की जा रही योजनाओं, महिला सशक्तिकरण के लिए बुनियादी आजीविका, महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नम्बर, वन स्टॉप सेंटर द्वारा दी जाने वाली सेवाओं इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जागरूकता अभियान में लगभग 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कर्मचारी हितों का संरक्षण प्रदेश सरकार की विशेष प्राथमिकताः मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सक्खू के निर्देशों के उपरान्त वित्त विभाग ने 6 सितम्बर, 2025 को हिमाचल प्रदेश सिविल सेवायें (संशोधित वेतन) नियम, 2022 में नियम 7ए को हटाने की अधिसूचना को स्थगित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों का कल्याण सुनिश्चित करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। इसलिए इस तरह के आदेश जारी करना न्यायोचित नहीं है। नियम-कानून से संबंधित मामलों में संशोधन के दौरान मानवीय सरोकार को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

आज शिमला में इस संबंध में मुख्यमंत्री से कई कर्मचारी संगठनों ने भेंट की तथा इस अधिसूचना को वापिस लेने का आग्रह किया था। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि वर्तमान राज्य सरकार की प्राथमिकता कर्मचारियों के हितों को संरक्षित करना है।

श्री सुक्खू ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार ने सत्ता संभालते ही अपने कर्मचारियों को पुरानी पैंशन स्कीम बहाल की। इसके अलावा सरकार द्वारा समय-समय पर उन्हें आर्थिक लाभ प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी प्रदेश सरकार कर्मचारियों के हितों की रक्षा करेगी।

मुख्यमंत्री ने हिमाचल प्रदेश को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित किया

शिमला। सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप प्रदेश ने हासिल की 99.30 प्रतिशत साक्षरता दर, विद्यार्थी-अध्यापक अनुपात में देशभर में अग्रणी हिमाचल प्रदेश ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता हासिल करते हुए आज पूर्ण साक्षर राज्यों की सूची में अपना नाम अंकित करवाने की उपलब्धि हासिल की। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर शिमला में आयोजित 'पूर्ण साक्षर हिमाचल समारोह एवं उल्लास मेला-2025' के अवसर पर हिमाचल प्रदेश को 'पूर्ण साक्षर राज्य' घोषित किया। यह कार्यक्रम निदेशालय स्कूल शिक्षा द्वारा आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'पूर्ण साक्षर राज्य' बनने पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि राज्य इस उपलब्धि को निर्धारित समय सीमा से पूर्व हासिल करने में सफल रहा है। उन्होंने कहा कि निरक्षर से पूर्ण साक्षर का सफर चुनौतियों भरा रहा है। हिमाचल प्रदेश गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लक्ष्य के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि समय के साथ-साथ शिक्षा की सार्थकता बनाए रखने के लिए आधुनिक दौर के अनुसार शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाना आवश्यक होता है। हिमाचल को यदि पूर्ण साक्षर राज्य के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में हर स्तर पर अग्रणी बनाए रखना है तो इस क्षेत्र में निरंतर सुधार करने होंगे। प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए गए सुधारों के फलस्वरूप हिमाचल में साक्षरता 99.30 प्रतिशत पहुंच गई है, जो राष्ट्रीय मानक 95 प्रतिशत से कहीं अधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न क्षमताओं में कमी को पहचाना और उन्हें दूर करने के लिए सार्थक कदम उठाए। वर्तमान में विद्यार्थी-अध्यापक अनुपात में प्रदेश देश भर में अव्वल स्थान पर है। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में अनेक सकारात्मक बदलाव लाए जाएंगे। सरकारी शिक्षण संस्थानों को श्रेष्ठ संस्थानों के रूप में बदला जाएगा। हमारी सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित कर रही है। परिवर्तन की राह पर आगे बढ़ते हुए हम राज्य में विश्वस्तरीय शैक्षणिक संस्थान विकसित करने के लिए प्रयासरत हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्ण साक्षर राज्य के दृष्टिगत योगदान देने वाले अधिकारियों, स्वंयसेवकों और नव साक्षरों को सम्मानित किया। उन्होंने उल्लास कार्यक्रम के तहत लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि आज का दिन हिमाचल के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। देश द्वारा आजादी प्राप्त करने के बाद हिमाचल शिक्षा के क्षेत्र में लगभग अंतिम पायदान पर था। प्रदेश की सभी सरकारों ने अपने-अपने कार्यकाल में ज्ञान की अलख जगाए रखी। प्रदेश में शिक्षा का सफ़र लगभग 7 प्रतिशत साक्षरता की दर से आरम्भ हुआ था। हमें गर्व है कि आज हिमाचल सम्पूर्ण भारत में पूर्ण साक्षर राज्यों की श्रेणी में अपना मकाम बनाने में सफल रहा है। प्रदेश सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र को मज़बूत करने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति से अनेक कठिन निर्णय लिये हैं। प्रदेश में विद्यार्थियों की ड्रॉप आउट दर अब लगभग शून्य तक पहुंच चुकी है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान सरकार द्वारा की गई नवीन पहलों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पूर्ण साक्षर राज्य का लक्ष्य प्राप्त करने में योगदान देने वाले व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया और बधाई दी। केन्द्रीय सचिव शिक्षा संजय कुमार ने वीडियो संदेश द्वारा हिमाचल को यह उपलब्धि हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने नव साक्षरों को कौशल आधारित शिक्षा प्रदान करने पर बल दिया। शिक्षा सचिव राकेश कंवर ने मुख्यमंत्री एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए कहा कि पूर्ण साक्षर राज्य का दर्जा प्राप्त करने के लिए हिमाचल ने विभिन्न मापदंडों के तहत उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न क्षमताओं में वृद्धि की जाएगी ताकि भविष्य की चुनौतियों का दृढ़ता से सामना किया जा सके।निदेशक स्कूल शिक्षा आशीष कोहली ने उल्लास मेला के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उल्लास कार्यक्रम के तहत 'जन-जन साक्षर' के ध्येय से कार्य करते हुए प्रदेश में अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक लागू किया गया है।इस अवसर पर स्वंयसेवी अध्यापकों और नव साक्षरों ने अपने अनुभव साझा किये। विगत तीन दशक से अधिक समय में प्रदेश के पूर्ण साक्षरता के सफर में महिला मंडलों, युवक मंडलों, स्वंयसेवी संस्थाओं तथा स्वंयसेवकों ने अमूल्य योगदान दिया है। राज्य के शिक्षा सचिव राकेश कंवर 1990 में साक्षरता मिशन में साक्षरता स्वंयसेवक के रूप में कार्य कर चुके हैं। इस अवसर पर महापौर नगर निगम शिमला सुरेन्द्र चौहान, उपायुक्त अनुपम कश्यप, पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी, वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद् और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नशे के विरुद्ध अभियान में मानस टोल फ्री नम्बर 1933 पर बने सहभागी जानकारी रहेगी गुप्त

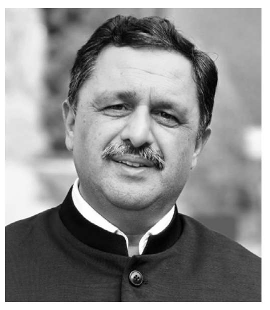

शिमला। जन-जन को नशे के विरूद्ध अभियान में सहभागी बनाने और नागरिकों द्वारा मादक पदार्थों के सम्बन्ध में सूचना देने के लिए केन्द्र सरकार ने टोल फ्री नम्बर के साथ मानस हेल्पलाइन आरम्भ की है। यह जानकारी आज यहां उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने दी। मनमोहन शर्मा ने कहा कि मादक पदार्थ निषेध सूचना केन्द्र हेल्पलाइन मानस पर टोल फ्री नम्बर 1933 के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी, मादक द्रव्यों की अवैध खेती और अन्य संबंधित अपराधों की जानकारी दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस हेल्पलाइन पर जानकारी देने वाले नागरिक की पूरी सूचना गुप्त रखी जाती है। उपायुक्त ने कहा कि मानस हेल्पलाइन 1933 के माध्यम से मादक पदार्थों एवं नशे के विरुद्ध परामर्श एवं पुनर्वास के लिए सहायता भी प्रदान की जाती है। सूचना के इस आदान-प्रदान से नशाखोरी एवं नशीली दवाओं के खतरे से निपटने में नागरिकों की बेहतर भागीदारी सुनिश्चित होती है। उन्होंने कहा कि यह एक एकीकृत एवं सुरक्षित डिजिटल प्लेटफार्म है। यह प्लेटफार्म नागरिकों को नशीली दवाओं के मामलों की रिपोर्ट करने, पुनर्वास संसाधनों की जानकारी प्राप्त करने के लिए सहज एवं गोपनीय माध्यम प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि मानस हेल्पलाइन का उपयोग टोल फ्री नम्बर 1933 के साथ-साथ आधिकारिक वेब पोर्टल www.ncb-manas.gov.in, ई-मेल info.ncb-manas@gov.in तथा उमंग ऐप के माध्यम से किया जा सकता है।

मनमोहन शर्मा ने नागरिकों से आग्रह किया कि मानस हेल्पलाइन 1933 के माध्यम से गुप्त रूप से नशीली दवाओं की तस्करी, भण्डारण, विनिर्माण अथवा खेती से सम्बन्धित जानकारी रिपोर्ट करें और नशा मुक्त समाज की परिकल्पना को साकार करने में सहयोग दें।

उपायुक्त ने कहा कि मानस हेल्पलाइन सभी दिन हर समय कार्यरत रहती है।

उन्होंने कहा कि नशा आज एक व्यापक समस्या बनकर उभरा है और नशे के समूल नाश के लिए जन-जन को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि मानस हेल्पलाइन पर नशे के विरूद्ध जागरूकता उत्पन्न करने के लिए वीडियो, ब्रोशर, पोस्टर इत्यादि भी उपलब्ध हैं। इनके माध्यम से नागरिक सारगर्भित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह जानकारी https://www.ncbmanas.gov.in/awareness पर उपलब्ध है।

उपायुक्त ने कहा कि वर्ष 2047 तक नशा मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सभी स्तरों पर योजनाबद्ध कार्य किया जा रहा है। सोलन ज़िला में ज़िला प्रशासन और ज़िला पुलिस की अगुवाई में नशे के विरूद्ध सघन अभियान कार्यान्वित किया जा रहा है। ज़िला पुलिस को इस अभियान में निरंतर सफलता मिल रही है और नशामुक्त हिमाचल के संकल्प को पूरा करने की दिशा में ज़िला सोलन सशक्त एवं सार्थक प्रयास कर रहा है।

पिता की हत्या कर रातभर लाश के साथ लेटा रहा

नोएडा , एजेंसी। नोएडा के सर्फाबाद गांव में शराब के नशे में धुत एक युवक ने ईंट से वार कर पिता की हत्या कर दी। इसके बाद वह रातभर शव के साथ लेटा रहा। पुलिस ने हत्यारोपी को छह घंटे के भीतर गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट के समक्ष पेश कर उसे जेल भेज दिया। संपत्ति के विवाद में हत्या होने की बात कही जा रही है। मृतक ने दो शादियां की थीं और आरोपी उसका इकलौता बेटा था।

गाय के पेट से 28 किलो प्लास्टिक, 41 कीलें और अन्य चीजें निकलीं

ऊना, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में हैरान कर देने वाली एक घटना सामने आई है। डॉक्टरों ने सर्जरी करने के बाद एक गर्भवती गाय के पेट से 28 किलो प्लास्टिक, 41 कीलें, कपड़े और रस्सियां निकालीं। गाय ने पिछले चार-पांच दिनों से खाना-पीना बंद कर दिया था। हिमाचल प्रदेश के ऊना में एक सरकारी पशु चिकित्सालय के डॉक्टरों ने एक गर्भवती गाय के पेट से 28 किलो प्लास्टिक और 41 धातु की कीलें समेत अन्य चीजें निकाली हैं। यह जटिल सर्जरी शनिवार को बरनोह स्थित क्षेत्रीय पशु चिकित्सालय में अस्पताल प्रभारी डॉ. निशांत रनौत के नेतृत्व में डॉक्टरों की एक टीम द्वारा की गई। गाय के पेट से निकली इतनी सारी चीजें देखकर डॉक्टर भी हैरान रह गए। डॉ. रनौत ने कहा कि सर्जरी के बाद गाय के स्वास्थ्य में सुधार सुनिश्चित करने के लिए वेटनरी डॉक्टर सात दिनों तक उसकी निगरानी करेंगे।

गर्भवती गाय को कलरुही निवासी विपिन कुमार और अन्य स्थानीय लोग अस्पताल लाए थे। डॉ. रानौत ने बताया कि गाय ने पिछले चार-पांच दिनों से खाना-पीना बंद कर दिया था। शुरुआती जांच के दौरान डॉक्टरों को उसके पेट में अप्राकृतिक वस्तुएं होने का संदेह हुआ। कई जांचें की गईं और सर्जरी करने का फैसला किया गया। उन्होंने बताया कि गाय के पेट से 28 किलो प्लास्टिक, कपड़े, रस्सियां और 41 कीलों समेत धातु के कई टुकड़े निकाले गए।

उन्होंने कहा कि अब तक इस पशु चिकित्सालय में बड़े डायाफ्रामिक हर्निया जैसी 53 जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं। यहां हर प्रकार की पशु सर्जरी, रक्त जांच और अल्ट्रासाउंड जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह अस्पताल बड़े पशुओं के उपचार के लिए क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है।

ऊना स्थित पशुपालन विभाग के उप निदेशक डॉ. वीरेंद्र पटियाल ने इस सफल ऑपरेशन के लिए डॉक्टरों की टीम को बधाई दी। साथ ही लोगों से प्लास्टिक कचरा, धातु की कीलें और अन्य सामग्री खुले में न फेंकने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोगों को कचरे का उचित निपटान करना चाहिए ताकि पशुओं और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

पंजाब में भीषण बाढ़ से मरने वालों की संख्या 48 हुई, अब डेंगू-हैजा जैसी बीमारियां फैलने का खतरा

जालंधर, एजेंसी।
पंजाब में बाढ़ का पानी कम होने लगा है, लेकिन इससे प्रभावित लोगों की मुश्किलें अभी खत्म नहीं हुई हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने पहले ही रोग प्रकोप के बढ़ते खतरे को लेकर चेतावनी जारी कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि त्वचा रोग, जलजनित और खाद्यजनित बीमारियों जैसे डेंगू, हैजा, टाइफाइड, दस्त और हेपेटाइटिस ए व ई के फैलने का खतरा है। स्वच्छ पेयजल की कमी, असुरक्षित भोजन, लंबे समय तक ठहरे हुए बाढ़ के पानी के संपर्क में रहना और स्वच्छता सुविधाओं की कमी जैसी समस्याएं हैं। इससे रोगों के तेजी से फैसले के जोखिम बढ़ जाते हैं। चेतावनी में कहा गया कि सामान्य जल स्रोत अब सुरक्षित नहीं हैं।

राज्य में भीषण बाढ़ के कारण दो और लोगों की मौत होने से मरने वालों की संख्या 48 तक पहुंच गई है, जबकि 1.76 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद हो गई हैं। शिक्षा मंत्री हरजोत बैंस ने कहा कि राज्य में सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय 8 सितंबर से खुलेंगे। बाढ़ की वजह से बीते दिनों शैक्षणिक संस्थान बंद कर दिए गए थे। मंत्री ने कहा कि जिन स्कूलों या कॉलेजों को बाढ़ से नुकसान पहुंचा है, उनको बंद रखने पर निर्णय संबंधित उपायुक्त लेंगे। सरकारी स्कूलों में कक्षाएं 9 सितंबर से शुरू होंगी। अधिकारियों ने बताया कि पोंग बांध का जलस्तर करीब दो फुट घटकर 1,392.20 फुट दर्ज किया गया। हालांकि, यह अब भी उसकी अधिकतम सीमा 1390 फुट से दो फुट अधिक है। शनिवार को यह जलस्तर 1394.19 फुट था। सूत्रों ने बताया कि सतलुज नदी पर बने भाखड़ा बांध का जलस्तर रविवार को 1677.98 फुट दर्ज किया गया, जबकि शनिवार को यह 1678.14 फुट था। बांध में पानी का प्रवाह 66891 क्यूसेक और निकासी 70000 क्यूसेक रही। राज्य सरकार ने 219 राहत शिविर स्थापित किए हैं, जिनमें 5400 से अधिक लोगों को शरण दी गई है। मुख्य सचिव ने बताया कि अब तक 48 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि पठानकोट जिले में तीन लोग अब भी लापता हैं। पंजाब इस समय कई दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ आपदा का सामना कर रहा है। यह बाढ़ सतलुज, ब्यास व रावी नदियों में आए उफान और हिमाचल प्रदेश व जम्मू-कश्मीर में भारी वर्षा के कारण आई है। इसके अलावा, पंजाब में हाल की बारिश ने हालात को और बिगाड़ दिया है।

कीचड़-पानी देख युवक के कंधे पर चढ़ गए कांग्रेस सांसद तारिक अनवर, बाढ़ का लिया जायजा

कटिहार, एजेंसी।
रविवार को कटिहार सांसद तारिक अनवर अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बरारी व मनिहारी विधानसभा के बाढ़ग्रस्त और कटावग्रस्त क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान सांसद अपने समर्थकों के साथ नाव और ट्रैक्टर पर चढ़कर ग्रामीणों से मिले और उनकी समस्याओं को सुना। बाढ़ग्रस्त इलाकों के दौरे के दौरान सांसद तारिक अनवर कीचड़-पानी देखकर युवक के कंधे पर चढ़ गए। इसका वीडियो भी वायरल हुआ है। दरअसल गंगा के जलस्तर में गिरावट होने के साथ ही कटिहार के धुरियाही पंचायत में कटाव तेज हो गया है। कटाव के बारे में ग्रामीणों से सूचना मिलने पर रविवार को सांसद तारिक अनवर धुरियाही पहुंचे। यहां शिवनगर और सोनाखाल का जायजा लेते समय जब कटाव स्थल के समीप पहुंचे तो रास्ते में कीचड़ और पानी दिखा। इसके बाद स्थानीय लोगों के कंधों पर चढ़कर सांसद तारिक अनवर ने कटाव क्षेत्र का जायजा लिया। कंधों पर बैठ कटाव क्षेत्र का जायजा लेने का वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा रहा है कि सांसद एक व्यक्ति के कंधे पर बैठे हुए हैं।

व्यक्ति सांसद को पहले कीचड़ और फिर पानी से भरे रास्ते से लेकर जा रहे हैं। साथ ही कुछ लोग सांसद को पकड़े हुए हैं ताकि सांसद नीचे न गिर जाएं। इस मामले में सांसद तारिक अनवर ने कहा कि कटाव क्षेत्र का जायजा लेने के लिए गये थे।

रास्ते में कीचड़ और पानी आ गया। स्थानीय लोगों ने् कहा कि कंधे पर कटाव स्थल तक ले जायेंगे। स्थानीय लोगों के अनुरोध को वह अस्वीकार नहीं कर सके और लोगों के कहने पर कंधे पर चढ़कर कटाव क्षेत्र का जायजा लिया। धुरियाही पंचायत में बाढ़ पूर्व भी कटाव हुआ था। बाढ़ का पानी अभी गांव से पूरी तरह नहीं निकला है। मगर सोनाखाल के समीप पानी घटते ही कटाव तेज हो गया है।

गणपति विसर्जन में भारी बवाल, कर्नाटक के मांड्या में 8 घायल, 21 गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक के मांड्या में गणपति विसर्जन के दौरान भारी बवाल की खबर है। गणपति विसर्जन के लिए निकाली जा रही शोभायात्रा में दो समुदाय के लोग मामूली सी बात हुए विवाद के बाद आपस में भिड़ गए। इसके बाद शोभायात्रा पर कथित तौर पर मस्जिद से पथराव किए जाने के आरोप हैं। इस पथराव में आठ लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हिंसा की इस घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है, जिसे देखते हुए प्रशासन ने धारा 144 लागू कर दिया है। पत्थरबाजी के आरोप में पुलिस ने 21 लोगों को गिरफ्तार भी किया है। हालात से निपटने के लिए पुलिस ने वहां अतिरिक्त बलों की भी तैनाती की है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मांड्या जिले के मद्दुर कस्बे में रविवार को जब भगवान गणेश की प्रतिमा विसर्जन के लिए लोग ले जा रहे थे, तभी दो समुदायों के बीच सांप्रदायिक झड़प हो गई। पुलिस ने बताया कि दूसरे समुदाय के उपद्रवियों द्वारा कथित तौर पर शोभायात्रा पर कथित पथराव किए जाने के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिससे व्यापक अशांति फैल गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, झड़प उस समय शुरू हुई जब लोग राम रहीम नगर में गणेश विसर्जन शोभायात्रा में हिस्सा ले रहे थे। दोनों समुदायों के युवकों के बीच झड़पें हुईं, जिसके बाद पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, हमने मद्दुर में अतिरिक्त बल तैनात किए हैं और निषेधाज्ञा लागू कर दी है ताकि तनाव न बढ़े। बाद में पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच गणेश विसर्जन कराया। मद्दुर के संवेदनशील इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों से शांति बनाए रखने का आग्रह किया है और अफवाह फैलाने वालों या सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

चण्डीगढ़-पाटलीपुत्र रेलगाड़ी के लीज कम्पार्टमेंट का शुभारम्भ हुआ

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चण्डीगढ़ रेलवे स्टेशन पर चण्डीगढ़-पाटलीपुत्र रेलगाड़ी (गाड़ी संख्या 22356) के लीज कम्पार्टमेंट (गॉर्ड साइड) का उद्घाटन रेल पार्सल सेंडर वेलफेयर एसोसिएशन, चण्डीगढ़ के अध्यक्ष डीपी दुबे द्वारा किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी महिपाल सिंह, दिलीप कुमार, रमेश चंद्र, अधिकृत लीजधारक मेसर्स यूनिक एंटरप्राइजेज से शिवनारायण तिवारी, प्रतिष्ठित कार्गो एजेंट डीके मिश्रा, विद्यानंद यादव, शेषनारायण गिरिराज, अविनाश एवं अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

अदालती कार्यवाई को धत्ता बताते हुए श्री हनुमंत धाम में उत्पात किया : श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। श्री हनुमंत धाम, सेक्टर 40 बी के परिसर की बेसमेंट में एक कब्जाधारक विनोद कुमार के साथ संचालक कमेटी का विवाद अदालत में विचाराधीन है, परन्तु विनोद ने अदालती कार्यवाई को धत्ता बताते हुए धाम के बेसमेंट में स्थित स्टोर का ताला तोड़कर बर्तनों एवं अन्य आवश्यक सामग्री एवं सामान को दिनदिहाड़े बाहर फिंकवा दिया। इससे धाम से जुड़े हुए सदस्यों व नियमित तौर पर आने वाले श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया है। श्री हनुमंत धाम की संचालक संस्था महिला सुंदरकांड सभा की अध्यक्ष नीना तिवारी तथा कमेटी के सदस्यों ने 112 नंबर पर पुलिस को इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी जिस पर सेक्टर 39 पुलिस स्टेशन से पुलिस कर्मचारियों ने आकर सभी चीजों का मुआयना किया। नीना तिवारी ने कहा कि विनोद परिसर में अवैध कब्जाधारक है तथा उसका ये कृत्य अदालत की अवमानना है तथा वे जल्द इस पर कानूनी कार्यवाई करेंगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से मांग की कि विनोद के खिलाफ एफआईआर दर्ज करके बनती समुचित कार्यवाई की जाए ताकि भविष्य में विनोद कुमार आइंदा कोई ऐसी गलत हरकत ना करें और कोर्ट की मर्यादा का उल्लंघन न करे। सभा के सदस्यों ने पुलिस कर्मचारियों से कहा कि भविष्य में भी हमें इससे खतरा है तथा जल्द से जल्द इसके विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाए।

पंजाब की आपदा "मान मेड डिज़ास्टर" : चुग

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरूण चुग ने सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि पंजाब की बाढ़ अब केवल प्राकृतिक आपदा नहीं रही, बल्कि यह पूरी तरह "मान निर्मित आपदा" बन चुकी है। चुग ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने खुलेआम गैरकानूनी रेत खनन को बढ़ावा दिया, जिसके कारण दरियाई बांध कमजोर हो गए और बाढ़ का कहर गांव-गांव तक फैल गया।

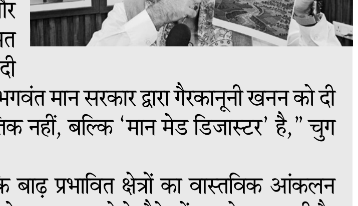

चुग ने कहा कि आज पंजाब के लोग भगवंत मान की नाकामी, अक्षमता और अनुभवहीनता की भारी कीमत चुका रहे हैं। "पंजाब को बर्बादी की ओर ले जाने का कारण भगवंत मान सरकार द्वारा गैरकानूनी खनन को दी गई खुली छूट है। यह प्राकृतिक नहीं, बल्कि 'मान मेड डिजास्टर' है," चुग ने कहा।

उन्होंने आरोप लगाया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का वास्तविक आंकलन करने के बजाय मान सरकार केवल मुआवज़े के पैकेजों पर शोर मचा रही है। जबकि सच्चाई यह है कि केंद्र सरकार पहले ही पंजाब के लिए आपदा प्रबंधन कोष में 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि रख चुकी है।

चुग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह स्वयं मुख्यमंत्री मान से बात कर चुके हैं और हर संभव मदद का आश्वासन दे चुके हैं। फिर भी पंजाब सरकार ने न विशेष टीमें गठित कीं, न ही नुकसान का वास्तविक सर्वे करवाया। जिम्मेदारी निभाने के बजाय सरकार केवल राजनीति और दिखावे में लगी हुई है।

चुग ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितम्बर को गुरदासपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे, जहां वे प्रभावित परिवारों और किसानों से सीधे मुलाकात कर राहत कार्यों का जायजा लेंगे। "यह प्रधानमंत्री का दौरा इस बात का प्रमाण है कि केंद्र की भाजपा सरकार हमेशा पंजाब के साथ खड़ी है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी," चुग ने कहा।

पंजाब सरकार ने बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत कार्य तेज किए

कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस द्वारा नंगल से 'ऑपरेशन राहत' की शुरुआत, विधायकों ने स्थानीय स्तर पर राहत अभियान संभाला

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब सरकार ने भयानक बाढ़ से प्रभावित हज़ारों गाँवों के लाखों लोगों को तुरंत राहत पहुँचाने की कार्रवाई और तेज़ कर दी है। लोगों की जान और माल की रक्षा के लिए मंत्रियों, विधायकों, वालंटियरों और ज़िला प्रशासन की सक्रिय भागीदारी से बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने आज नंगल से 'ऑपरेशन राहत' की शुरुआत की। यह 10 दिन का अभियान बाढ़ पीड़ित परिवारों को राहत और पुनर्वास के लिए समर्पित रहेगा। इसके अलावा उन्होंने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सरसा नंगल से 'आओ अपने गाँव का सरकारी स्कूल साफ़ करें' अभियान भी शुरू किया। मंत्री ने गाँवों के पंच-सरपंचों, यूथ क्लबों और स्कूल प्रबंधन समितियों से इस सफाई अभियान में भाग लेने की अपील की।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले कई दिनों से बाढ़ के कारण पंजाब के लगभग 20 हज़ार सरकारी स्कूल बंद थे, जिन्हें आज साफ़-सफ़ाई के लिए खोला गया है। कल, 9 सितंबर से इन स्कूलों में विद्यार्थी पहुँचेंगे। उन्होंने कहा कि यदि कहीं कोई इमारत असुरक्षित लगती हो तो उसकी सूचना तुरंत ज़िले के डिप्टी कमिश्नर, एस.डी.एम. या इंजीनियर विंग को दी जा सकती है।

मंत्री बैंस ने बताया कि बाढ़ पीड़ित परिवारों की मदद के लिए उनका परिवार व्यक्तिगत तौर पर 5 लाख रुपये देगा और 50 ज़रूरतमंद घरों की मरम्मत करवाएगा। आम आदमी पार्टी के वालंटियरों की टीमें गाँवों में भेजी गई हैं जो लोगों और पशुओं के लिए घर-घर जाकर मेडिकल सहायता उपलब्ध करा रही हैं।

जलालाबाद में विधायक जगदीप कम्बोज गोल्डी ने गाँव जोधा भैणी में जानवरों के लिए चारा (कैटल फीड) वितरित किया। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का धन्यवाद किया कि सरकार ने फ़सलों और मकानों के मुआवज़े में वृद्धि की है और किसानों को अपनी ज़मीन पर आई रेत रखने व बेचने की अनुमति दी है। विधायक ने कहा कि अब बाढ़ के पानी से आई रेत किसान की होगी और वह इसे बेच भी सकेंगे। उन्होंने कहा कि लोगों के मकानों को हुए नुक़सान की भरपाई भी सरकार करेगी और इस संबंध में गिरदावरी कराने के आदेश पहले ही दिए जा चुके हैं। फ़ाज़िल्का में विधायक नरेंद्रपाल सिंह सवना ने गाँव महात्म के निवासियों को एक नई नाव भेंट की, ताकि राहत सामग्री का आवागमन हो सके। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल समय में मैं अपने लोगों के साथ खड़ा हूँ। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह के दिशा-निर्देशों पर फ़ाज़िल्का स्वास्थ्य विभाग द्वारा साँप के काटने से बचाव के लिए विशेष हिदायतें जारी की गई हैं। सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार और सहायक सिविल सर्जन डॉ. रोहित गोयल ने लोगों को सलाह दी कि साँप के डसने पर मरीज़ को तुरंत सरकारी अस्पताल पहुँचाया जाए, जहाँ मुफ़्त इलाज उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि साँप के डसने पर घबराने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि मरीज़ को तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया जाए। इस समय एंबुलेंस के लिए 108 पर संपर्क किया जा सकता है।

इधर, डिप्टी कमिश्नर अमरप्रीत कौर संधू ने बताया कि ज़िले में अब तक 10,874 राशन किटें और 5,890 कैटल फीड के बैग वितरित किए गए हैं। 4,235 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। होशियारपुर से डिप्टी कमिश्नर सह ज़िला रेड क्रॉस सोसायटी की प्रधान आशिका जैन ने बताया कि बाढ़ से पीड़ित परिवारों की मदद के लिए सरकार के साथ-साथ स्वयंसेवी संस्थाएँ, कंपनियाँ और दानदाता सज्जन भी आगे आ रहे हैं।

पानी निकासी के लिए पूरी ताकत से जुटे अधिकारी, पानी सीधा नाले-नालियों में जाए न कि किसी कालोनी में : ऊर्जा मंत्री अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज से कल रविवार 7 सितम्बर को अम्बाला छावनी इंडस्ट्रियल एरिया से बरसात और जल जमाव की निकासी में कुछ लोगों द्वारा बाधा डालने पर संज्ञान लेते हुए अधिकारियों से कहा कि जहां-जहां पानी खड़ा है उसे निकालने के लिए वह पूरी ताकत के साथ जुट जाएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पानी निकासी के समय यह ध्यान अवश्य रखा जाए कि पानी सीधा नाले-नालियों में जाए न कि किसी कालोनी में पानी जाए।

आज प्रातः ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सर्कुलर जारी कर जिले के विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों की बैठक दोपहर 12:00 बजे अम्बाला छावनी के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में बुलाई। बैठक में अम्बाला उपायुक्त अजय तोमर के अलावा पुलिस अधीक्षक अजीत सिंह शेखावत तथा अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय हैं कल रविवार 7 सितम्बर को अम्बाला छावनी इंडस्ट्रियल एरिया से बरसात और जल जमाव की निकासी को लेकर उद्यमियों ने मुलाकात की थी। मंत्री अनिल विज के निर्देशों के बाद प्रशासन द्वारा जोर-शोर से शाम को पानी निकासी का काम प्रारंभ कर दिया गया था। मगर कुछ लोगों द्वारा बाधा डाले जाने के कारण पानी निकासी के पाइपों को तोड़ दिया गया था व अन्य सामान को भी नुक्सान पहुंचाया गया था जिस वजह से काम को रोकना पड़ा था।

आज की बैठक में ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने अब तक कहां-कहां अत्याधिक पानी आने से जलभराव है उसकी जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने इन क्षेत्रों में पानी निकासी के क्या-क्या इंतजाम किए गए इसकी भी जानकारी ली। उनके (मंत्री अनिल विज) पूछने पर अधिकारियों ने यह भी बताया कि इंडस्ट्री एरिया से पहले की जा रही पानी निकासी को कुछ तत्वों द्वारा रूकवा दिया गया था। इस पर मंत्री अनिल विज ने अधिकारियों से कहा कि जहां-जहां पानी खड़ा है उसे निकालने के लिए वह पूरी ताकत के साथ जुट जाएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पानी निकासी के समय यह ध्यान अवश्य रखा जाए कि पानी सीधा नाले-नालियों में जाए न कि किसी कालोनी में पानी जाए।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बैठक के दौरान इंडस्ट्रियल एरिया से पानी निकासी की योजना तैयार की। पानी निकासी के लिए मौके पर अलग-अलग विभागों को जिम्मेदारियां दी गई। उन्होंने निर्देश दिए कि विभाग एकजुटता से इंडस्ट्रियल एरिया से पानी निकासी के कार्य में जुट जाए। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित बैठक के उपरांत मंत्री अनिल विज इंडस्ट्रियल एरिया मौके पर भी गए जहां उन्होंने पानी निकासी कार्य में लगे अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उद्योगपतियों से बातचीत की तथा शीघ्र पानी निकासी के दिशा-निर्देश दिए।

हमें एक सिद्धांत मन में पक्का करना है कि हमारे लिए कोई पराया नहीं है, सभी अपने हैं : विज

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बैठक के दौरान जल भराव के दृष्टिगत प्रशासन के अधिकारियों द्वारा बेहतर कार्य करने पर उनकी प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि जलभराव के तहत दो कार्य बेहद जरूरी होते है, जिसमें एक तो तुरन्त कार्य करते हुए राहत देना और दूसरा बाद में उस कार्य के लिए स्थाई समाधान हेतु कार्य करना होता है। उन्होंने कहा कि हमें एक सिद्धांत मन में पक्का करना है हमारे लिए कोई पराया नहीं है, सारे अपने हैं।

एनएचएआई के प्रोजैक्ट डायरेक्टर ने मंत्री अनिल विज को बताया कि इंडस्ट्रियल एरिया के सामने सड़क पर से पानी निकालने का काम किया जा रहा है और पानी को जल्द निकाल दिया जाएगा।

दरिया के लिए बाढ़ क्षेत्र छोड़ना जरूरी - संत सीचेवाल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्यसभा सदस्य और पर्यावरण प्रेमी संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने कहा कि बाढ़ों से निजात पाने के लिए हमें कुदरत के करीब जाना होगा और दरिया के लिए बाढ़ क्षेत्र छोड़ना होगा। पिछले 29 दिनों से बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाकर पीड़ितों का सहारा बने संत सीचेवाल ने कहा कि हमें वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए अपनी फसलें तय करनी होंगी। जलवायु परिवर्तन से आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि जिस विकास मॉडल को प्रस्तुत किया जा रहा है, उसने तबाही मचाई है। इस विकास मॉडल ने जंगलों और पहाड़ों का विनाश किया है।

- **कुदरत के नज़दीक होने से ही बाढ़ों से मिलेगी निजात**
- **पंजाब में 900 किलोमीटर लंबे धुसी बांधों को मज़बूत करने की ज़रूरत**
- **हर ट्यूबवेल पर पाँच पेड़ लगाने से 70 लाख पौधों का होगा इजाफ़ा**

संत सीचेवाल ने कहा कि दरिया के किनारे सभ्यताएँ बसने का बड़ा कारण यह था कि दरिया अपने साथ उपजाऊ मिट्टी लाती थीं। यही मिट्टी खेती के लिए लाभदायक होती थी, पर जब से इंसान ने कुदरत से छेड़छाड़ करनी शुरू की है, तब से मुश्किलों में घिरता जा रहा है।

गौरतलब है कि पंजाब में सतलुज, ब्यास, रावी और घग्गर के इर्द-गिर्द कुल 900 किलोमीटर लंबे धुसी बांध हैं। इनमें से 226 किलोमीटर सतलुज, 164 किलोमीटर रावी, 104 किलोमीटर ब्यास और लगभग 100 किलोमीटर घग्गर के किनारे हैं। इसके अलावा छोटी नदियों और चोओं (नालों) के आसपास भी 300 किलोमीटर लंबे कच्चे बांध बने हुए हैं। ये बांध 1950-60 के दशक में बनाए गए थे और इस बार आई बाढ़ ने पानी के पिछले सारे पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए। संत सीचेवाल ने कहा कि धुसी बांधों को मज़बूत करने के लिए इनके ऊपर पक्की सड़कों का निर्माण होना चाहिए और बांधों पर पेड़ लगाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ से बचाव का सबसे आसान तरीका है कि हम अपने खेतों या ट्यूबवेल पर कम से कम पाँच पेड़ लगाएँ।

आओ अपने-अपने गाँव का सरकारी स्कूल साफ़ करें, मुहिम की शिक्षा मंत्री ने की शुरुआत

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़/ सरसा नंगल/कीरतपुर साहिब- पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने आज सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सरसा नंगल से 'आओ अपने-अपने गाँव का सरकारी स्कूल साफ़ करें' मुहिम की शुरुआत की और इस मुहिम में सभी से अधिक से अधिक सहयोग देने की अपील की।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले कई दिनों से बाढ़ के कारण पंजाब के लगभग 20 हज़ार सरकारी स्कूल बंद किये हुये थे, जिन्हें आज साफ़-सफ़ाई के लिए खोला गया है। कल 9 सितंबर को इन स्कूलों में विद्यार्थी पहुँच जाएंगे। आज हमने इन सरकारी स्कूलों की साफ़-सफ़ाई और स्थिति का जायज़ा लेने के लिए एक विशेष मुहिम शुरू की है, जिसके तहत अपने-अपने इलाक़ों के सरकारी स्कूलों में साफ़-सफ़ाई का विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मैंने अपने साथी विधायकों, गाँवों के पंचों, सरपंचों, यूथ क्लबों, नौजवानों और स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों से अपील की है कि वे इन सरकारी स्कूलों में जाकर शुरू की गई साफ़-सफ़ाई मुहिम में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि कुछ दिन बंद रहने के कारण इन स्कूलों में साफ़-सफ़ाई की ज़रूरत है और अगर कहीं पानी निकासी, पीने के पानी और कूड़े-कचरे की समस्या है तो उसका समाधान आज ही करवा लिया जाए।

राज्यपाल एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पंजाब के अध्यक्ष, गुलाब चंद कटारिया ने बाढ़ राहत कार्यों के लिए तीन बचाव नौकाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, पंजाब शाखा को आज भारत के विश्वसनीय ऑनलाइन दान मंच, डोनेटकार्ट द्वारा तीन बचाव नौकाओं के दान से अपने आपदा राहत संसाधनों में एक बहुमूल्य वृद्धि प्राप्त हुई। ये नौकाएँ क्लाउड फंडिंग के माध्यम से प्राप्त की गईं, जो ज़रूरत के समय समाज की सामूहिक शक्ति और करुणा को दर्शाती हैं।

मुख्य विशेषताएँः दान विवरणः पंजाब में बाढ़ राहत कार्यों को मज़बूत करने के लिए तीन बचाव नौकाएँ - एक 8-सीटर और दो 4-सीटर - विशेष रूप से मुंबई से चंडीगढ़ हवाई मार्ग से लाई गईं।

झंडा-उद्घाटन समारोहः पंजाब के माननीय राज्यपाल एवं राज्य रेड क्रॉस के अध्यक्ष, श्री गुलाब चंद कटारिया ने नौकाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और हाल ही में आई बाढ़ के दौरान समय पर मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए डोनेटकार्ट की सराहना की।

वितरण योजनाः एक सुनियोजित राहत रणनीति के तहत, बाढ़ प्रभावित जिलों में चल रहे बचाव और राहत कार्यों में सहायता के लिए गुरदासपुर में दो और होशियारपुर में एक नाव तैनात की जाएगी। इस अवसर पर बोलते हुए, राज्यपाल ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी हमेशा राहत और पुनर्वास प्रयासों में सबसे आगे रही है, और इन बचाव नौकाओं के जुड़ने से आपात स्थितियों में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने की इसकी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने डोनेटकार्ट के माध्यम से योगदान देने वाले हज़ारों दानदाताओं द्वारा दिखाई गई उदारता की सराहना की और इस बात पर ज़ोर दिया कि नागरिक समाज और मानवीय संगठनों के बीच इस तरह का सहयोग प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने में महत्वपूर्ण है।

हरियाणा की नई एयरोस्पेस एवं रक्षा नीति का उद्देश्य राज्य को भारत में एक अग्रणी रक्षा विनिर्माण केंद्र बनाना है

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने देश की रक्षा विनिर्माण क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। राज्य ने अपनी नई एयरोस्पेस और डिफेंस नीति लागू की है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप, यह नीति हरियाणा को देश में अग्रणी एयरोस्पेस एवं रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करती है।

हरियाणा नागरिक उड्डयन आयुक्त एवं सचिव, श्रीमती अमनीत पी. कुमार ने आज यहाँ इस संबंध में आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता की । बैठक में श्री उप महानिदेशक इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस एवं मुख्य परिचालन अधिकारी श्री विवेक विरमानी और रक्षा मंत्रालय के उप कार्यक्रम निदेशक इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस श्री जतिन अरोड़ा उपस्थित रहे। उन्होंने आईडीईएक्स ढाँचे के तहत उभरते अवसरों और सहयोगों पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की, जिससे भारत के भविष्य के रक्षा नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में हरियाणा की संभावित भूमिका को बल मिला।

श्रीमती अमनीत पी. कुमार ने कहा कि नीति पहले ही अधिसूचित की जा चुकी है और इस योजना के अंतर्गत आगामी योजनाओं को जल्द ही औपचारिक रूप से अधिसूचित किया जाएगा। नई नीति का उद्देश्य अगले पाँच वर्षों में एक बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश आकर्षित करना, लगभग 25,000 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करना तथा उत्कृष्टता केंद्र, अनुसंधान एवं विकास इकाइयाँ और विश्व स्तरीय कौशल विकास संस्थान स्थापित करना है। इसमें हरियाणा को उत्तर भारत के प्रमुख रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) केंद्रों में से एक के रूप में विकसित करने की भी परिकल्पना की गई है। साथ ही, मजबूत सुविधा उपायों और बुनियादी ढाँचे के समर्थन के माध्यम से वैश्विक मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएमएस), टियर-1 आपूर्तिकर्ताओं और अग्रणी भारतीय कंपनियों को आकर्षित किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, लॉजिस्टिक्स और परिवहन के लिए बेहतर कनेक्टिविटी, विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धी एमआरओ हब का निर्माण तथा नवाचार को बढ़ावा देने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के लिए एमएसएमई को केंद्रित समर्थन प्रदान करने पर भी विशेष बल दिया गया है। बैठक के दौरान कहा गया कि राज्य सरकार हिसार एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (आईएमसी) को एक प्रमुख एयरोस्पेस एवं रक्षा केंद्र के रूप में विकसित कर रही है। यह परियोजना एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के माध्यम से क्रियान्वित की जाएगी, जिसमें हरियाणा एयरोस्पेस एंड डिफेंस कॉरपोरेशन (एचएडीसी) की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी और राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं निगम ट्रस्ट (एनआईसीडीसीटी) 1,810.58 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 49 प्रतिशत हिस्सेदारी निभाएगा। यह परियोजना कुल 2,988 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएगी, जिसकी अनुमानित लागत 4,679.56 करोड़ रुपये है और इसे दो चरणों में पूरा किया जाएगा।

सहकारिता से आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा रही सरकार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य सरकार नारी सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वीटा बूथों का आवंटन महिलाओं को प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि इन बूथों के लिए स्थान जल्द चिन्हित किए जाएं और उनमें 50 प्रतिशत तक आरक्षण महिलाओं के लिए सुनिश्चित किया जाए। इसी प्रकार महिला सीएम पैक्स (PACS) के गठन और संचालन की प्रक्रिया को भी तेजी से आगे बढ़ाया जाए, ताकि ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर आर्थिक गतिविधियों में भागीदार बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को चंडीगढ़ सिविल सचिवालय में सहकारिता विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

- **किसानों व महिलाओं के हित में सहकारिता विभाग की नीतियों को तेज गति से लागू करेंः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी**
- **सहकारिता बनेगा नारी सशक्तिकरण का आधार**

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी सहकारी बैंकों को आधुनिक आईटी सुविधाओं से लैस किया जाए, ताकि किसानों और उपभोक्ताओं को पारदर्शी, प्रभावी और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों को सरकार की ओर से मिलने वाले भुगतान और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं की सब्सिडी राशि सीधे सहकारी बैंकों के माध्यम से जोड़ी जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि न्यू सीएम पैक्स (PACS) के पंजीकरण की प्रक्रिया को और अधिक सरल तथा पारदर्शी बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारी शुगर मिलों के माध्यम से किसानों को गन्ना काटने की मशीनें कम किराये पर उपलब्ध करवाई जाएं, जिससे गन्ना उत्पादकों की श्रम और लागत दोनों में कमी आएगी तथा उत्पादन में वृद्धि होगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि प्रदेश में जन औषधि केंद्रों की संख्या में वृद्धि की जाए। इन केंद्रों के लिए स्थान अस्पतालों एवं स्वास्थ्य संस्थानों के निकट चिन्हित किए जाएं, ताकि आमजन को किफायती दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं आसानी से उपलब्ध हो सकें।

संपादकीय

क्या नफरत की राजनीति भारतीयों के लिए बन रहा खतरा

मौजूदा लोकतांत्रिक स्वरूप में आने तक दुनिया ने वैचारिक पूर्वाग्रहों के कई दुखद दौर देखे हैं। नस्लीय दुराग्रहों पर आधारित नाजीवाद का वक्त उनमें से एक था और उससे पार पाने के लिए बड़ी लड़ाई लड़ी गई, कुर्बानियां दी गईं। इसके बाद आधुनिक विश्व में अगर किसी लोकतांत्रिक ढांचे वाले देश में ऐसी विचारधारा जड़ पकड़ती है और उसके निशाने पर कुछ खास समुदाय आते हैं, तो यह बेहद अफसोस और चिंता की बात है।जिन प्रवासियों ने आस्ट्रेलिया के विकास में योगदान दिया, सांस्कृतिक पहचान बनाई, आज उन्हीं को देश के लिए खतरा बता कर कई शहरों में आव्रजन विरोधी रैलियां निकाली जा रही हैं। इनमें खासतौर से आस्ट्रेलियाई-भारतीयों को निशाने पर लिया गया है। इस दौरान जिस तरह की सामग्री बांटी गई, उनमें नस्लवादी विचार तो थे ही, साथ ही इसकी जांच में इससे नव-नाजी समूहों के संबंध का भी पता चला है। हैरानी की बात है कि आधुनिक विश्व में जहां नाजीवाद की छाया से भी दूर रहना जरूरी माना जाता है, वहां कुछ लोग इसके आकर्षण में फंसे दिखते हैं। आस्ट्रेलिया में पनपा नव-नाजियों का समूह छोटा अवश्य है, लेकिन इसका विस्तार इस देश की सामाजिक समरसता को भारी नुकसान पहुंचा सकता है।गनीमत यह है कि आस्ट्रेलिया की सरकार ने इस तरह के दुराग्रहों को लेकर गंभीर चिंता जाहिर की है। मगर पिछले दिनों नफरत पर आधारित कुछ घटनाओं को गंभीरता से लेना होगा। ऐसे माहौल में भारतीयों की सुरक्षा और सहजता से जीने के अधिकार का मसला सबसे अहम है। भारत सरकार को इस मुद्दे पर आस्ट्रेलिया से संवाद बनाए रखना चाहिए, क्योंकि वहां फिलहाल भारतीय मूल के साढ़े आठ लाख लोग रह रहे हैं। आस्ट्रेलिया ने स्वयं आप्रवासन को समायोजित किया है।इससे न केवल उसके विकास की रफ्तार बढ़ी, बल्कि दुनिया में उसकी बहु-सांस्कृतिक छवि भी बनी है। आस्ट्रेलिया के सत्तापक्ष से लेकर विपक्ष ने भी नव-नाजियों के रुख को शर्मनाक बताया है और स्पष्ट कर दिया है कि किसी तरह का नस्लवाद सहन नहीं किया जाएगा। उम्मीद है कि आस्ट्रेलिया सरकार की ओर से नव-नाजियों के उभार को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे और भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी भारत की स्थायी स्थिति को दोहराते हुए कहा कि भारत शांति और स्थिरता की बहाली के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने दोनों नेताओं को भारत आने और 2026 में होने वाले अगले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में भाग लेने का आमंत्रण दिया।

व्हाइट हाउस से निराश यूरोप को अब पीएम मोदी से आस

(नीरज कुमार दुबे)।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा अक्सर आर्थिक समीकरणों से तय होती है। हाल के दिनों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उठाए गए टैरिफ विवाद ने यूरोपीय संघ को झटका दिया है। अमेरिकी बाजारों पर निर्भरता और ट्रंप की अप्रत्याशित नीतियों ने यूरोपीय देशों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि उन्हें अपने वैश्विक साझेदारों का दायरा बढ़ाना होगा। इसी कड़ी में भारत एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभर रहा है। हम आपको बता दें कि यूरोपीय संघ ने अब तक भारत के खिलाफ रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर कोई सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की बात नहीं की है। यह बहुत बड़ा संकेत है कि यूरोप, भारत को नाराज़ करने का जोखिम उठाने को तैयार नहीं है। वजह साफ है– भारत न केवल एक विशाल उपभोक्ता बाज़ार है, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा और राजनीतिक संतुलन में उसकी भूमिका अहम हो चुकी है।

इसके अलावा, यूक्रेन युद्ध के चलते यूरोप थकान और बेचैनी की स्थिति में है। अब तक की सारी कोशिशें– मसलन व्हाइट हाउस के दरवाज़े खटखटाने से लेकर यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ मंच साझा करने तक, किसी ठोस परिणाम तक नहीं पहुँची हैं। इसी परिदृश्य में यूरोपीय नेताओं ने भारत की ओर देखना शुरू किया है। यूरोपीय संघ (ईयू) और स्वयं यूक्रेन, इस युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की भूमिका पर नज़रें गड़ाए हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूरोपीय नेताओं और यूक्रेन के विदेश मंत्री की भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ हुई वार्ताओं ने इस धारणा को और प्रबल किया है कि भारत की आवाज़ अंतरराष्ट्रीय मंच पर निर्णायक साबित हो सकती है।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से संयुक्त टेलीफोन वार्ता की। इस बातचीत में भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी की समीक्षा की गई और व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला जैसी अहम विषयों पर प्रगति का स्वागत किया गया। दोनों पक्षों ने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द निष्कर्ष तक पहुँचाने और आईएमईईसी कॉरिडोर के क्रियान्वयन पर बल दिया। वॉन डेर लेयेन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यूक्रेन का युद्ध वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए गहरा खतरा है और इसे समाप्त करवाने में भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भी भारत की स्थायी स्थिति को दोहराते हुए कहा कि भारत शांति और स्थिरता की बहाली के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने दोनों नेताओं को भारत आने और 2026 में होने वाले अगले भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में भाग लेने का आमंत्रण दिया।

उधर, यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से टेलीफोन पर बातचीत की। सिबिहा ने युद्धक्षेत्र की स्थिति की जानकारी साझा करते हुए भारत से आग्रह किया कि वह अपनी प्राधिकृत आवाज़ और सक्रिय भूमिका से रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के प्रयासों को गति दे। उन्होंने कहा कि यूक्रेन एक न्यायसंगत शांति की दिशा में काम कर रहा है और भारत की भागीदारी इस लक्ष्य को हासिल करने में अहम होगी। दोनों पक्षों ने आगामी संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्चस्तरीय सत्र में मिलने और राजनीतिक, आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई।

हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से चीन में मुलाकात की थी और इस दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता के अलावा निजी स्तर पर भी लंबी बातचीत हुई थी। इससे पहले 30 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की से भी बात की थी और शांति बहाली का समर्थन दोहराया था। इस प्रकार, भारत एक ओर रूस के साथ अपने रणनीतिक और ऊर्जा संबंधों को बनाए रखे हुए है, वहीं दूसरी ओर यूरोप और यूक्रेन को आश्वस्त कर रहा है कि वह युद्ध को समाप्त करने के लिए रचनात्मक योगदान देगा।

सवाल उठता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करवाने में भारत की भूमिका क्यों अहम है? इसका जवाब यह है कि भारत की स्थिति कई कारणों से अनूठी है। भारत रूस और पश्चिम– दोनों से संवाद बनाए रखने वाले कुछेक देशों में से है। लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुपक्षीय मंचों पर सक्रियता के कारण भारत की विश्वसनीयता बढ़ी है। साथ ही दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और उभरती शक्ति होने के कारण भारत की बात को अनदेखा नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी की यह युग युद्ध का नहीं है वाली घोषणा पहले ही वैश्विक राजनीति में एक नैतिक संदर्भ बन चुकी है।

रूस-यूक्रेन युद्ध की दिशा फिलहाल अनिश्चित बनी हुई है। लेकिन यह तथ्य स्पष्ट है कि यूरोप और यूक्रेन भारत की भूमिका को निर्णायक मान रहे हैं। भारत यदि अपनी कूटनीतिक ताक़त और संवाद-क्षमता का उपयोग कर सके, तो न केवल इस युद्ध के अंत की राह आसान होगी, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय साख भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचेगी।

बहरहाल, यूरोपीय संघ का भारत की ओर झुकाव केवल कूटनीति का शिष्टाचार नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक आवश्यकता है। व्हाइट हाउस की राह में जब ठोस नतीजे नहीं मिले, तब यूरोप ने नयी उम्मीद के साथ नई दिल्ली का रुख किया है। सवाल यह है कि क्या भारत इस स्थिति का लाभ उठाकर स्वयं को वैश्विक शांति के निर्णायक सूत्रधार के रूप में स्थापित कर पाएगा?(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अमेरिका दोस्तों से क्यों उलझ रहा, ट्रंप- अमेरिका

(प्रियेश मिश्र)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में टैरिफ युद्ध छेड़े हुए हैं। उनके निशाने पर खासतौर पर ऐसे देश हैं, जिनके अमेरिका के साथ मजबूत संबंध हैं। यही कारण है कि ट्रंप ने भारत को भी धमकाने की कोशिश की है। उन्होंने भारत पर 50% का भारी-भरकम टैरिफ भी लगाया है।

भारत, जापान, दक्षिण कोरिया पर अमेरिकी टैरिफ– वॉशिंगटन~ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह ठान लिया है कि वह अपने देश की विदेश नीति को बर्बाद करके ही छोड़ेंगे। उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में टैरिफ युद्ध छेड़ा हुआ है। ट्रंप के निशाने पर खासतौर पर ऐसे देश हैं, जिनके अमेरिका के साथ मजबूत संबंध हैं। ऐसे में एशिया के तीन महत्वपूर्ण देशों के साथ अमेरिका के संबंध तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। इनमें भारत के अलावा जापान और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। जापान ने अमेरिका के साथ ट्रेड डील भले ही साइन कर ली है, लेकिन इनके संबंध अब भी तनावपूर्ण हैं। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में दक्षिण कोरियाई कंपनी हुंडई मोटर्स के प्लांट पर छापा मारकर खलबली मचा दी है।

अमेरिका ने दक्षिण कोरिया पर बढ़ाया दबाव– दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने शनिवार को हुंडई मोटर पर अमेरिकी इमिग्रेशन अधिकारियों की छापेमारी में देश के सैकड़ों नागरिकों की गिरफ्तारी के जवाब में हर संभव प्रयास करने का आदेश दिया है। विदेश मंत्री चो ह्यून ने कहा कि सरकार ने दक्षिणी राज्य जॉर्जिया स्थित फैक्ट्री में गुरुवार को 300 से ज्यादा कोरियाई लोगों की गिरफ्तारी के बाद कार्रवाई के लिए एक टीम गठित की है। उन्होंने यह भी कहा है कि जरूरत पड़ने पर वह अपने और अमेरिकी अधिकारियों से मिलने वाशिंगटन जा सकते हैं। चो ने एक आपातकालीन सरकारी बैठक में कहा, मैं बेहद चिंतित हूँ। मैं अपने नागरिकों की गिरफ्तारी के लिए भारी ज़िम्मेदारी महसूस करता हूं।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया में तनाव

माना जा रहा है कि दक्षिण कोरियाई फैक्ट्री पर अमेरिकी छापेमारी की घटना से दोनों देशों में तनाव बढ़ सकता है। भारत की तरह दक्षिण कोरिया भी अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर असहमत है। माना जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन ने दक्षिण कोरिया पर दबाव बनाने के लिए यह छापेमारी की है। अब इस छापेमारी से अमेरिका में 350 अरब डॉलर का दक्षिण कोरियाई निवेश के प्रभावित होने का खतरा है। दक्षिण कोरिया में अमेरिका का बड़ा सैन्य अड्डा भी है, लेकिन ट्रंप ने इस सैन्य अड्डे की जमीन को अमेरिका को सौंपने की मांग की है।भारत के साथ भी ट्रंप ने लिया पंगा-ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में भारत के साथ विवाद को चरम पर पहुंचा दिया है। ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने के कारण भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। इससे भारत पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है। ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत के खिलाफ जमकर बयानबाजियां भी की हैं। हालांकि, ट्रंप ने एक दिन पहले से भारत के प्रति नरमी दिखानी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा था कि शायद अमेरिका ने चीन के हाथों भारत और रूस को खो दिया है। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है और उन्हें महान नेता बताया है।

जापान के साथ भी अमेरिका की खींचतान– अमेरिका और जापान ने एक दिन पहले ही व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत जापान से अमेरिका आने वाले सामानों पर 15 प्रतिशत का बेस टैरिफ लागू हो गया है। हालांकि, कुछ खास क्षेत्रों जैसे ऑटोमोबाइल, विमान निर्माण, दवाइयां और प्राकृतिक संसाधनों पर अलग नियम लागू होंगे। इसके साथ ही जापान ने अमेरिका में 550 बिलियन डॉलर का निवेश करने पर सहमति जताई है। इसके बावजूद बताया जा रहा है कि जापान ने यह समझौता अमेरिका के भारी दबाव में किया है और मौका मिलते ही वह इससे बाहर आने की कोशिश करेगा।

टैरिफ को लेकर क्या दलील दे रहे ट्रंप

अमेरिकी कानून के जानकारों का कहना है कि ट्रंप के ये टैरिफ अवैध हैं, जो वह दुनियाभर में लागू कर रहे हैं। इसे लेकर ट्रंप प्रशासन को निचली अदालतों से झटके भी लग चुके हैं। लेकिन, ट्रंप प्रशासन ने इनके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है। अमेरिकी सॉलिसिटर जनरल डी. जॉन सॉयर ने ट्रंप प्रशासन के पक्ष में दलील दी है कि राष्ट्रपति और उनके कैबिनेट के अधिकारियों ने यह निर्धारित किया है कि शुल्क शांति और अभूतपूर्व आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा दे रहे हैं, और शुल्क की अनुमति से इनकार करने से हमारा देश प्रभावी सुरक्षा के बिना व्यापार प्रतिशोध का शिकार हो जाएगा और अमेरिका को आर्थिक तबाही के कगार पर धकेल देगा। विदेशों पर टैरिफ के कारण अगस्त के अंत तक अमेरिकी राजस्व कुल 159 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले इसी समय की तुलना में दोगुने से भी ज़्यादा है।

वर्ग पहेली 5847

1		2	3		4	5	6
	■	7		■	8		
9	10	■	11	12		■	
13		14	■		■	15	■
■	16			■	17		■
18			■	19		■	20
	■	■	21			22	
23				■	■	24	

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1968 को इस भारतीय वैज्ञानिक को चिकित्सा क्षेत्र में नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया (8)
7. केशलता, बालों का गुच्छा (2)
8. तप्त चिन्हित करना,दाग लगाना (3)
9. मार्ग से, कृततः (2)
11. लिहाफ, सर्दी लगने से बचने के लिए सोते समय ओढ़ा जाने वाला वस्त्र (3)
13. चांदी, उजला, उज्ज्वल (3)
16. प्रविष्टायन, स्थितन (3)
17. जिसमें दाग या धब्बों वाला, दागदार (2)
18. श्रवण करना, ध्यान देना (3)
19. एक शस्त्र, बरछा, नेजा (2)
21. जैन धर्म के मानने वालों का बड़वानी से 8 किमी दूर एक तीर्थ स्थल (5)
23. यह उजबेकिस्तान की राजधानी है (4)
24. पुराणानुसार पांचवा लोक जहां से मनुष्य उत्पन्न होते है, व्यक्ति, कबीला, प्रजा (2)

ऊपर से नीचे

1. इस तीर्थ स्थान पर गंगा नदी पहाडों को छोड मैदान में आती है इसे गंगाद्वार भी कहा गया है (4)
2. फुटबॉल, हॉकी आदि के खेल से संबंधित एक शब्द, वृत्ताकार, वर्तुल (2)
3. शीतकाल को अंग्रेजी में यह कहते है (3)
4. ईश्वरत्व, खुदापन, आस्मानी (3)
5. शास्त्रीय संगीत में विशिष्ट गान प्रकार (2)
6. सनिश्चय नहीं (3)
10. क्षेत्रफल के आधार पर यह भारत का सबसे बड़ा राज्य है (4)
12. रद्दीकृत, अनुपभुक्त (2)
14. तपस्या करना, अति परिश्रम करना (3)
15. मरीज, बीमार, जिसे रोग लगा हो (2)
17. बरामदा, ओसारा (3)
18. निर्देशक बिमल रॉय की सुनील दत्त-नूतन अभिनीत 1959 की सफल फिल्म (3)
19. दर, निर्ख (2)
20. नमाज की सूचना के शब्द जो जोर से पुकारे जाते है (3)
21. उत्तर काल में, उपरांत, पश्चात (2)
22. लंबाई नापने की प्राचीन नाप, हाथी (2)

वर्ग पहेली 5846 का हल

त्रि	पु	रा	■	दे	वी	ला	ल
का	ल	का	■	व	र	ना	■
ल	■	■	मु	आ	■	■	ते
■	द	म	■	नं	द	गां	व
इ	ला	हा	बा	द	■	धा	र
बा	ल	■	ब	■	नू	री	■
द	■	ह	र	क	त	■	शू
त	ला	क	■	दा	न	वी	र

श्राद्ध के लिए ये हैं भारत के 7 सबसे पवित्र स्थान, मिलेगा अनंत पुण्य

हिंदू धर्म की मान्यताओं के मुताबिक अश्विन माह के कृष्ण पक्ष में किया गया श्राद्ध पूजन सीधा हमारे पूर्वजों तक पहुंचती है और पितरों को शांति प्रदान करता है। आज हम उन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर किया गया श्राद्ध पितरों को संतोष, सुख और मुक्ति का माध्यम बनता है। श्राद्ध सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि यह हमारे पूर्वजों की याद, सम्मान और आभार जताने का एक तरीका है। यह एक पवित्र समय है, जब हम पितरों की आत्मा की शांति के लिए उनको याद करते हैं। इस दौरान पिंडदान, तर्पण और दान जैसी क्रियाएं की जाती हैं। हिंदू धर्म की मान्यताओं के मुताबिक अश्विन माह के कृष्ण पक्ष में किया गया श्राद्ध पूजन सीधा हमारे पूर्वजों तक पहुंचती है और पितरों को शांति प्रदान करता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए उन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर किया गया श्राद्ध पितरों को संतोष, सुख और मुक्ति का माध्यम बनता है।

गया, बिहार–गया को लेकर मान्यता है कि यहां पर श्राद्ध पूजन करने से सात पीढ़ियों तक के पितरों को मुक्ति मिलती है। बिहार के गया में फाल्गु नदी के किनारे विष्णुपद मंदिर पर पिंडदान और तर्पण किया जाता है। माना जाता है कि यहां पर भगवान विष्णु के चरणचिन्ह मौजूद हैं। जबकि पौराणिक मान्यता है कि यहां पर सीताजी ने अपने पितरों का पिंडदान किया था। जिस कारण इस जगह को मुक्तिधाम भी कहा जाता है। यहीं कारण है कि हर साल पितृपक्ष के मौके पर लाखों की संख्या में लोग यहां पर आते हैं।

वाराणसी–वाराणसी यानी की काशी को भगवान शिव की नगरी भी कहा जाता है। माना जाता है कि यहां किए गए कर्म सीधे मुक्ति का द्वार खोलते हैं। यहां पर मणिकर्णिका घाट और पिशाचमोचन कुंड पर भी श्राद्ध और पिंडदान किया जाता है। माना जाता है कि काशी में त्रिपिंडी श्राद्ध जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से श्राद्ध की आत्मा को शिवलोक तक पहुंचता है।

इलाहाबाद–इलाहाबाद नाम सुनते ही गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम याद आता है। यहां पर कुंभ और अर्धकुंभ का आयोजन होता है। इसके अलावा इलाहाबाद के संगम घाट को पितृ पक्ष के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। यही कारण है कि लोग शुभ तिथियों पर लोग यहां आकर स्नान और पिंडदान करते हैं।

हरिद्वार–गंगा तट पर बसे हरिद्वार को मोक्षदायिनी नगरी कहा जाता है। यहां पर नारायण शिला और कुशावर्त घाट पर पितरों के श्राद्ध की पूजा की जाती है। हर की पौड़ी पर तर्पण करना विशेष फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि अगर किसी आत्मा को प्रेतयोनि का कष्ट है, तो नारायण शिला पर किए गए श्राद्ध से उसको मुक्ति मिलती है। इस कारण हर साल श्राद्ध पक्ष में हरिद्वार पर भीड़ उमड़ती है।

बद्रीनाथ–उत्तराखंड का ब्रदीनाथ चारों धामों में से एक है। यहां जगह श्राद्ध के लिए अत्यंत पवित्र स्थान है। बद्रीनाथ मंदिर के पास ब्रह्मकपाल घाट स्थित है। माना जाता है कि इस स्थान पर भगवान शिव को ब्रह्महत्या के पाप से मुक्ति मिलती है। इसलिए श्रद्धालु अपने पितरों का अंतिम श्राद्ध करना शुभ मानते हैं। यहां किया गया श्राद्ध गया से कई गुना फलदाई माना जाता है।

द्वारका–गुजरात की द्वारका नगरी को भगवान श्रीकृष्ण का निवास स्थाना माना जाता है। द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन के साथ ही यहां पर पितृपक्ष के दौरान पिंडदान और श्राद्ध करते हैं। समुद्र किनारे बसे द्वारका को आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से बेहद शक्तिमाली माना गया है।

पुरी–ओडिशा का पुरी चारों धामों में से एक है। पुरी में भगवान जगन्नाथ का भव्य मंदिर है। पितृपक्ष में यहां पर श्राद्ध और पिंडदान करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता है कि यहां पर किया गया श्राद्धकर्म आत्मा को मोक्ष की ओर ले जाता है। यही कारण है कि हर साल आश्विन माह के दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालु पुरी आते हैं।

आज का राशिफल

मेष

बिजनेस के क्षेत्र में आपकी कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा और समाज में विशेष मान-सम्मान प्राप्त हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको लाभ कमाने के सुनहरे अवसर मिलेंगे और व्यापार में निवेशों से लाभ प्राप्त हो सकता है। भौतिक विकास होने के योग हैं और आर्थिक मामले में दिन अनुकूल रहने वाला है। वहीं, परिवार के साथ भी आप अच्छा

वृष

व्यापार के मामले में आप नई योजनाएं बनाने पर ध्यान दे सकते हैं। अगर लंबे समय से किसी कानूनी विवाद में फंसे थे तो अब वहां भी सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यस्थल पर आपको दिन में कुछ उलझनों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन स्थिति जल्दी सामान्य हो जाएगी और पराक्रम में वृद्धि होगी। कार्यालय का वातावरण भी खुशनुमा बना रहेगा।

मिथुन

आप किसी रचनात्मक कार्य को पूरा करने में ज्यादा समय व्यतीत कर सकते हैं। कार्यस्थल पर आपको वही कार्य सौंपे जाएंगे जिनमें आपकी अधिक रुचि रहेगी। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा और जोश से भरपूर रहेंगे। कामकाज को लेकर आपके दिमाग में नई योजनाएं भी आ सकती हैं।

कर्क

कार्यक्षेत्र में आप जो भी काम पूरी मेहनत, लगन और प्रयास के साथ करेंगे उसमें सफलता जरूर हासिल होगी। सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने के कारण आपका मन प्रसन्न रहेगा। अगर कुछ काम अधूरे पड़े थे तो वह भी अब पूरे हो सकते हैं और कामकाज के सिलसिले में मीटिंग की जा सकती है।

सिंह

कार्यस्थल पर कामकाज के सिलसिले में आप ज्यादा व्यस्त रह सकते हैं। व्यापार के क्षेत्र में नई योजनाएं बनाई जा सकती हैं और कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण काम समय पर पूरे करने होंगे। लेकिन कोई वरिष्ठ अधिकारी या विरोधी आपके कार्यों में बाधा डालने की कोशिश कर सकता है।

कन्या

आपका दिन सामान्य से कम अच्छा रह सकता है। कार्यक्षेत्र में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। ऐसे में संयम बरतना जरूरी होगा और किसी भी अनावश्यक बहस से दूरी बनाए रखें। व्यापार के मामले में आपको आत्मविश्वास के साथ कोई भी कार्य करना होगा, इससे बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकते हैं और धीरे-धीरे स्थिति सुधरती जाएगी।

तुला

कारोबार के मामले में यह दिन आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगा। अगर लंबे समय से कार्यक्षेत्र में कोई विवाद या समस्या चल रही थी तो अब वह दूर हो सकती है। इसी के चलते आपका मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार में नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो सकता है और नौकरी करने वालों के लिए भी यह दिन अनुकूल रहेगा। लेकिन संपत्ति के मामले में आपको सतर्क रहना होगा।

वृश्चिक

आज दिन उत्तम रहने वाला है और कार्यक्षेत्र में आपको दिनभर लाभ कमाने के उत्तम अवसर प्राप्त होंगे। लेकिन इसके लिए आपको मेहनत और प्रयास करते रहना होगा। नौकरी के मामले में कुछ नया करने से आपको भविष्य में लाभ मिल सकता है। वहीं, व्यापार में नई योजनाएं मुनाफा दिलाने वाली हो सकती हैं।

धनु

आज आर्थिक मामलों में आपको सावधान रहने की जरूरत है। कोई भी फैसला जल्दबाजी में लेने से नुकसान हो सकता है। बिजनेस के मामले में आपको थोड़ा सा जोखिम उठाने से बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में अगर आप कुछ नया करते हैं, तो इससे अच्छा मुनाफा मिल सकता है।

मकर

आज आपका दिन सामान्य से बेहतर हो सकता है। व्यापार में साझेदारी में किए गए काम से मुनाफा मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में समझदारी और आत्मविश्वास के साथ कार्य करने से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। लेकिन कार्यक्षेत्र में कई काम एक साथ मिलने के चलते आपकी चिंता बढ़ सकती है।

कुंभ

आज मौसम परिवर्तन के चलते आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। सेहत ठीक न होने के चलते आपका कामकाज में थोड़ा कम मन लग सकता है। लेकिन इस समय कोई भी फैसला लेना सही नहीं रहेगा। व्यापार के मामले में दिन अनुकूल रहेगा।

मीन

आज व्यापार के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाने से आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में चल रही परेशानियों को आप बुद्धिमानी और धैर्य के साथ दूर कर सकते हैं। इसी के चलते उन्नति के नए मार्ग खुलेंगे और आपको सफलता प्राप्त हो सकती है।

बिना गारंटी के 20 लाख तक का लोन, मोदी सरकार का बड़ा तोहफा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत 2015 में मोदी सरकार ने की थी, जिसका मकसद छोटे कारोबारियों, स्वरोजगार से जुड़े लोगों और मिडिल क्लास कारोबारियों को बिना गारंटी के लोन उपलब्ध कराना है। सरकार का मानना है कि यह योजना देश के नए मिडिल क्लास को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। बता दें कि हाल ही में मोदी सरकार ने इस योजना में अहम बदलाव किया है। पहले से लोन ले चुके योग्य उधारकर्ताओं के लिए सीमा बढ़ाकर 20 लाख तक कर दी गई है। इसका सीधा फायदा उन छोटे कारोबारियों को मिलेगा जो पहले ही सफलतापूर्वक अपना लोन चुका चुके हैं और अब बिजनेस को आगे बढ़ाना चाहते हैं। सरकार का दावा है कि मुद्रा लोन योजना ने पिछले कुछ वर्षों में 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी से निकालकर नए मिडिल क्लास में शामिल किया है। छोटे उद्योग और स्थानीय स्तर पर स्वरोज़गार को बढ़ावा मिलने से रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत ब्याज दर एक जैसी फिक्स नहीं होती, बल्कि यह बैंक और आपके लोन प्रोफाइल पर निर्भर करती है।

550 रुपये तक जा सकते हैं स्विगी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनी स्विगी के शेयर सोमवार को बीएसई में 4 पर्सेंट से ज्यादा चढ़कर 459.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। स्विगी के शेयरों में पिछले एक महीने में करीब 19 पर्सेंट का उछाल आया है। बाजार के जानकारों का कहना है कि फूड डिलीवरी कंपनी के शेयरों में और तेजी देखने को मिल सकती है। मार्केट एक्सपर्ट्स ने स्विगी के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। स्विगी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 617 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 297 रुपये है। विदेशी ब्रोकरेज हाउस नोमुरा ने फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी को बाय रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस ने कंपनी के शेयरों के लिए 550 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। यानी, शुक्रवार के क्लोजिंग लेवल से स्विगी के शेयरों में करीब 25 पर्सेंट का उछाल देखने को मिल सकता है। नोमुरा ने कहा है कि स्विगी का फूड डिलीवरी बिजनेस अब सधी रफ्तार से प्रॉफिटैबिलिटी के ट्रैक पर है और एक प्रमुख कैश जेनरेटर बना रह सकता है। पिछले हफ्ते मोतीलाल ओसवाल ने स्विगी पर अपनी रेटिंग अपग्रेड करके बाय की है और कंपनी के शेयरों को 560 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है।

सेंसेक्स 89,787.30 अंक पर बंद, निफ्टी में भी मुनाफा वसूली

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार को दिन में सेंसेक्स की बढ़त 300 से अधिक अंकों की हो गई थी। लेकिन मार्केट क्लोजिंग के टाईम पर सेंसेक्स की बढ़त 100 के नीचे आ गई। 30 संवेदी सूचकांक वाला सेंसेक्स 76.54 अंक या फिर 0.09 अंक की तेजी के साथ 80,787.30 अंक पर बंद हुआ है। वहीं, निफ्टी की बात करें तो मार्केट क्लोजिंग के टाईम पर यह 0.13 प्रतिशत या फिर 32.15 अंक की उछाल के साथ 24,773.15 पर ट्रेड कर रहा था। सेंसेक्स की टॉप 30 कंपनियों में से 14 कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। सबसे अधिक उछाल टाटा मोटर्स के शेयरों में दर्ज की गई है। टाटा ग्रुप का यह स्टॉक करीब 4 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ है। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में भी करीब 4 प्रतिशत की उछाल देखने को मिली है। महिंद्रा एंड महिंद्रा, अडानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी आज तेजी देखी गई। दूसरी तरफ ट्रेंट का शेयर करीब 4 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ है। एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एलटी, टीसीएस, पावरग्रिड के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गई है। शेयर बाजार ने एक बार फिर से सुबह की बढ़त को गंवा दिया है। सेंसेक्स और निफ्टी में बिकवाली देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत या फिर 76.57 अंक की गिरावट के साथ 80,787.33 अंक पर आ गया। वहीं, निफ्टी 19.75 अंक या फिर 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 24760.75 अंक पर ट्रेड कर रहा था।

5 साल में लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी के शेयर ने बना दिया करोड़पति

नई दिल्ली, एजेंसी।
पिछले कुछ सालों के दौरान निवेशकों को शानदार रिटर्न देने वाली कंपनियों में से एक लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी है। कंपनी के शेयरों ने 1 लाख रुपये के इंवेस्टमेंट को महज 5 सालों में 1.38 करोड़ रुपये बना दिया है। जिसकी वजह से पोजीशनल निवेशकों को बहुत मोटा रिटर्न दिया है।

सितंबर 2020 में कंपनी के एक शेयर का भाव 9.38 रुपये के लेवल पर था। शुक्रवार को क्लोजिंग के टाईम पर यह 1293.70 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। जिसकी वजह से पोजीशनल निवेशकों को 13738 प्रतिशत का रिटर्न महज 5 साल में ही मिल गया है। जिसकी वजह से पोजीशनल निवेशक करोड़पति बन गए हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 2384 करोड़ रुपये है। तिमाही दर तिमाही के आधार पर कंपनी का रेवन्यू 100 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, सालाना आधार पर रेवन्यू 1.4 प्रतिशत घटा है। लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी का नेट प्रॉफिट जून तिमाही में 642 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 15 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 25 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 1 साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 66 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। कंपनी का 52 वीक हाई 1613.40 रुपये है। 52 वीक लो लेवल 734.10 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 67,705.56 करोड़ रुपये का है। 2025 में कंपनी एक बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड की है। कंपनी ने एक शेयर पर एक रुपये का डिविडेंड दिया था। 2016 में कंपनी के शेयरों का बंटवारा 2 हिस्सों में हुआ था। जिसके बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये हो गई थी।

पति का भरोसा, पत्नी का ज्ञान...

कपल की अनोखी दास्तान ,खड़ी की 6 साल में 17 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
यह कहानी बेंगलुरु के एक ऐसे कपल की है, जिसने अपने सपनों को पूरा करने के लिए बड़े त्याग किए। प्रशांत वस्त्रेड ने अच्छी-खासी मल्टीनेशनल कंपनी की नौकरी छोड़कर अपनी पत्नी डॉ. यमुना के साथ मिलकर गुडुची नाम का छोटा सा आयुर्वेदिक ब्रांड शुरू किया। यमुना आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं। यह सिर्फ एक ब्रांड नहीं, बल्कि पति का अपनी पत्नी के सपने के प्रति भरोसा है। आज उनकी छोटी सी शुरुआत 17 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर वाली सफल कंपनी बन चुकी है। यह आयुर्वेदिक हेल्थकेयर प्रोडक्ट बेचती है। आइए, यहां प्रशांत वस्त्रेड और डॉ. यमुना की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। साल 2018 में प्रशांत वस्त्रेड ने एक साहसिक फैसला लिया। दक्षिण अफ्रीका में प्राइस वाटरहाउस कूपर्स में अपनी अच्छी-खासी नौकरी छोड़कर वह भारत लौट आए। उनका लक्ष्य था अपनी पत्नी डॉ. यमुना के आयुर्वेदिक क्लिनिक को एक बड़े ब्रांड में बदलना। डॉ. यमुना 2013 से बेंगलुरु में अपना क्लिनिक चला रही थीं। छोटे पैमाने पर वह आयुर्वेदिक प्रोडक्ट बनाती थीं। प्रशांत ने उनके साथ हाथ मिलाया। अपनी बचत से 2019 में गुडुची आयुर्वेद प्राइवेट लिमिटेड की शुरुआत की। उन्होंने उडुपी में एक घाटे में चल रही मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को भी अपने हाथ में लिया। यहीं से उनकी सफलता की असली

यात्रा शुरू हुई।

शुरुआत में चुनौतियों का करना पड़ा सामना : शुरुआती दौर में इस कपल को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने क्लिनिक के लिए बैंक से लोन लिया, लेकिन उस पैसे का इस्तेमाल उत्पादों पर शोध और विकास में किया। प्रशांत ने डॉ. यमुना को मरीजों को देखने के साथ अपने उत्पादों को बेचने के लिए भी राजी किया। उनका पहला उत्पाद खांसी की दवाई थी, जिसे उन्होंने दो दिनों में खांसी ठीक करने के वादे के साथ बेचा। इस उत्पाद को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया ने उनके विश्वास को और मजबूत किया। जल्द ही, उन्होंने अपनी वेबसाइट लॉन्च की और अमेजन, मीशो और टाटा 1 एमजी जैसे बड़े प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद बेचने लगे। प्रशांत की सफलता की कहानी उनके बचपन के संघर्षों से भी जुड़ी हुई है। कर्नाटक के बीदर जिले के एक छोटे से गांव में पले-बढ़े प्रशांत के पिता की 100 वर्ग फीट की एक छोटी मिठाई की दुकान थी। यह परिवार के छह सदस्यों की आजीविका का एकमात्र साधन थी। बचपन से ही अंग्रेजी सीखने की ललक ने प्रशांत को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। 1999 में उन्होंने एक स्थानीय शिक्षक से अंग्रेजी सीखी और दुकान पर आने वाले लोगों से अंग्रेजी में ही बातचीत करने लगे। 2005 में इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के बाद उन्होंने बेंगलुरु में सॉफ्टवेयर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट खोला। लेकिन, परिवार के दबाव के चलते उन्होंने नौकरी शुरू की।

बिकने जा रही है जयप्रकाश एसोसिएट्स

323 का शेयर टूटकर 3.43 पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी।
जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के शेयरों में आज लोअर सर्किट लग गया है। कंपनी के शेयरों का भाव 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद बीएसई में 3.43 रुपये के लेवल पर आ गया। बता दें, बीते हफ्ते खबर आई थी माइनिंग सेक्टर की कंपनी वेदांता लिमिटेड ने कर्ज में डूबी हुई जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएआईएल) को खरीदने के लिए सबसे ऊंची बोली लगाई है।

बीते कुछ साल जयप्रकास एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए अच्छे नहीं रहे हैं। 4 जनवरी 2008 में जय प्रकाश एसोसिएट्स के शेयरों का भाव 323.73 रुपये के लेवल पर था। लेकिन अब यह टूटकर 4 रुपये के नीचे भी आ गया है। वहीं, इस कंपनी को खरीदने के लिए सफल बोली लगाने वाली कंपनी वेदांता लिमिटेड का शेयर 2 प्रतिशत की गिरावट के बाद 436.60 रुपये के लेवल पर आ गया।

कैसे होगा पूरा भुगतान

सूत्रों के मुताबिक, वेदांता ने सफल बोली लगाने के बाद कहा कि वह एनसीएलटी की मंजूरी मिलते ही 4,000 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी और बाकी की रकम अगले पांच से छह सालों में चुकाएगी। वेदांता ने करीब 12,505 करोड़ रुपये की बोली लगाकर अडानी ग्रुप को पीछे छोड़ दिया है। यह बोली बैंकों द्वारा आयोजित नीलामी में लगाई गई थी, जिनका उद्देश्य जयप्रकाश ग्रुप के लिए खरीदार ढूंढना था। जयप्रकाश समूह रियल एस्टेट, सीमेंट, बिजली, होटल और सड़कों जैसे क्षेत्रों में काम करता है।

5 कंपनियों ने दिखाई थी दिलचस्पी

जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड इस समय आईबीसी (दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता) के तहत दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही है। इस प्रक्रिया के तहत, 24 जून को समाधान योजनाएं मांगी गईं। इसके बाद, पांच कंपनियों – वेदांता, अदाणी, डालमिया, जिंदल पावर और पीएनसी इंफ्राटेक के बीच इसे हासिल करने के लिए मुकाबला हुआ। इसमें वेदांता ने 12,505 करोड़ रुपये की सबसे ऊंची बोली लगाई। सूत्रों के मुताबिक, जेएआईएल के लिए वेदांता को सबसे ऊंची बोली लगाने वाला बोलीदाता घोषित किया गया है।

भूटान में 6000 करोड़ के निवेश की खबर से अडानी के शेयरों की मची लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी पावर ने शनिवार को दी जानकारी में बताया कि उन्होंने भूटान की सरकारी कंपनी ड्रुक ग्रीन पावर के साथ 570 मेगावाट की हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए 6,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। आज अडानी पावर के शेयरों में उछाल दर्ज किया है। कंपनी के शेयरों का भाव 6 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 649.20 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद नरमी देखने को मिली है। कंपनी ने दी जानकारी में कहा है कि अडानी पावर और ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्प लिमिटेड (डीजीपीसी) पीकिंग रन-ऑफ-रिवर वांगछू जलविद्युत परियोजना को बीओओटी (बनाओ, स्वामित्व रखो, चलाओ, सौंपो) मॉडल पर शुरू करेंगे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस संबंध में भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग तोबगे और अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी की उपस्थिति में एक बिजली खरीद समझौते और एक रियायत समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से तेल के आयात पर कम होगी निर्भरता

प्रदूषण से मिलेगी राहत

मुंबई एजेंसी।
वाहनों के इंजन में खराबी के दावों के बीच भारत ने 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल यानी ई-20 का लक्ष्य समय से पांच साल पहले ही पूरा कर लिया है। अगस्त में हासिल लक्ष्य के बाद सरकार की तैयारी वर्ष 2027 तक 27 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण की है। सरकार जहां इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के फायदे गिना रही है, वहीं एक वर्ग का कहना है कि ई-20 पेट्रोल वाहनों के इंजन को खराब कर रही है, जिससे माइलेज घट रहा है। इन चिंताओं से इतर विशेषज्ञों का मानना है कि ई-20 पेट्रोल तेल आयात पर निर्भरता घटाएगा। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा और प्रदूषण कम करने में भी अहम योगदान देगा।

पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण भारत में व्यावहारिक रणनीति के तौर पर उभर रहा है, जिसका उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। ई-20 पेट्रोल वाहनों की सेहत के लिए कितना अच्छा है या कितना खराब, यह जानने के लिए सबसे पहले तो यह समझना होगा कि आखिर यह है क्या इसे 80 प्रतिशत सामान्य पेट्रोल और 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाकर तैयार किया जाता है। इथेनॉल का उत्पादन गन्ना, मक्का और अन्य

कृषि उत्पादों से किया जाता है, जिनमें फसलों के अवशेष या पराली शामिल हैं। भारत अपनी कुल जरूरत का करीब 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। जाहिर है कि इथेनॉल का मिश्रण किया जाएगा, तो आयात पर निर्भरता घटेगी और बिल कम होगा। इसे ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भी अहम कदम माना जा रहा है। ब्राजील ने 1973 में ओपेक प्रतिबंध के कारण इथेनॉल की ओर रुख किया था। उस संकट ने एक लचीले ईंधन मॉडल को जन्म दिया, जो आज भी ब्राजील के लिए बड़ी सफलता बना हुआ है यह सुझाव भी दिया जाता है कि पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण की मात्रा धीरे-धीरे बढ़ाई जानी चाहिए। भारत में ऐसा ही हुआ है। पहले 5 प्रतिशत, फिर 10 और उसके बाद 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की अनुमति दी गई। 2027 तक इसे 27 फीसदी करने का लक्ष्य है, हालांकि यह कोई सख्त सरकारी समय सीमा नहीं है। सरकार के विचाराधीन यह एक रोडमैप का हिस्सा है।

बहस संतुलन के बारे में हो – विशेषज्ञों का मानना है कि असली बहस इथेनॉल बनाम इलेक्ट्रिक वाहन या खाद्य सुरक्षा बनाम ऊर्जा सुरक्षा पर नहीं होनी चाहिए। यह संतुलन के बारे में होनी चाहिए। भारत को शहरी क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक वाहनों, 30 करोड़ आईसीई वाहनों के लिए इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल और कचरे को धन में बदलने के लिए 2जी इथेनॉल की जरूरत है।

उत्तर रेलवे

(ई–नीलामी सूचना)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला छावनी द्वारा ई–नीलामी की जाएगी (टेबल अनुसार) जिसका विवरण वेबसाईट **IREPS** पर मौजूद है। ई–नीलामी की धरोहर राशि, बोली की **5%** होगी तथा बोली कम से कम बोली मूल्य स 0.2% बढ़ा कर लगानी होगी।

नीलामी केटलॉग सं. UMB-Mix-24-2025 रेट यूनिटः वार्षिक लाइसेंस फीस प्रारंभ होने की तिथि व समयः 19.09.2025 को 12:00 बजे

क्र.सं.	लॉट सं. एवं विवरण	नीलामी समाप्त होने की तिथि व समय
1	Catg-UMB-MOT-GMU-12-23-1 (खान पान – जनरल माइनर यूनिट (GMU) (Size 10'x6') प्लेटफार्म नं. 1 मलोट रेलवे स्टेशन पर	19.09.2025 को 12:30 बजे
2	Catg-UMB-KLK-SMU-19-23-1 (खान पान – स्पेशल माइनर यूनिट (SMU) (Size 10'x6') अल्पसंख्यक महिला के लिए Circulating area कालका रेलवे स्टेशन	19.09.2025 को 12:40 बजे
3	Catg-UMB-PTA-SMU-59-24-1 (खान पान – स्पेशल माइनर यूनिट (SMU) (Size 10'x6') अनुसूचित जाति श्रेणी के लिए स्टाल नं.12 प्लेटफार्म नं. 1 पटियाला रेलवे स्टेशन पर	19.09.2025 को 12:50 बजे
4	Catg-UMB-KNN-SMU-166-25-1 (खान पान – स्पेशल माइनर यूनिट (SMU) अनुसूचित जाति (स्वतंत्रता सेनानी, युद्ध मे शहीद की विधवा, रेल कर्मचारी की विधवा) श्रेणी के लिए (Size 10'x6') प्लेटफार्म न 1 खन्ना रेलवे स्टेशन पर	19.09.2025 को 13:00 बजे
5	Catg-UMB-BXC-SMU-167-25-1 (खान पान – स्पेशल माइनर यूनिट (SMU) (Size 10'x6') अनुसूचित जाति महिला प्लेटफार्म नं1 बरवाला रेलवे स्टेशन पर	19.09.2025 को 13:10 बजे
6	Catg-UMB-RPJ-SMU-164-25-1 (खान पान – स्पेशल माइनर यूनिट (SMU) दिव्यांग महिला के लिए size of stall is 13 "2x13" 2 in circulating area राजपुरा रेलवे स्टेशन पर	19.09.2025 को 13:20 बजे

ई–नीलामी की अधिक जानकारी हेतु सभी भावी निविदाकर्ता रेलवे वेबसाईट www.ireps.gov.in को देखे।

2717/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एलजी के आईपीओ की उल्टी गिनती शुरू, 15000 करोड़ जुटाने का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के आईपीओ का इंतजार कर रहे निवेशकों को लिए खुशखबरी है। कंपनी का आईपीओ अगले महीने यानी अक्टूबर 2025 में आ सकता है। इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। एलजी के आईपीओ का साइज 15000 करोड़ रुपये हो सकता है। जोकि 2025 का सबसे बड़ा आईपीओ होगा।

रिपोर्ट के अनुसार एलजी अक्टूबर के पहले हाफ में अपना आईपीओ लॉन्च कर सकता है। कंपनी मार्केट के स्थिर होने का इंतजार कर रही है। ऐसे में अक्टूबर का महीना इस लिहास से काफी बेहतर नजर आ रहा है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी पहले से ही मिल चुकी है। कंपनी ने दिसंबर 2024 में आईपीओ के लिए एक्सचेंज के पास आवेदन किया था।

साउथ कोरिया की यह भारतीय यूनिट अपनी 15 प्रतिशत हिस्सेदारी आईपीओ के जरिए घटाएगी। कंपनी के प्रमोटर्स 10.20 करोड़ शेयर बेचते नजर आएंगे। हुंडई के बाद किसी कोरियन कंपनी का यह सबसे बड़ा आईपीओ होगा।

जेपी मॉर्गन इंडिया, एक्सिस कैपिटल, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया और सिटी ग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया को बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। बता दें, आईपीओ की टाइमलाइन को लेकर कंपनी की तरफ से कोई भी आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है।

GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH
JAL SHAKTI DEPARTMENT

"Notice Inviting e-tender"

The Executive Engineer Jal Shakti Vibhag Division Nalagarh invites online tenders on behalf of Governor of Himachal Pradesh from approved eligible contractors for the following work (s) through e-tendering process:-

S/ No	Description of work	Estimated cost	Earnest Money	Cost of tender forms	Stipulated Time period
1	Restoration of rain damages of **LIS Dhang Plassi** in Tehsil Nalagarh Distt. Solan HP SH Construction of wirecrate 21.25 mtrs Long towards spur side in Chikni Khad for LIS Dhang).	286869/-	5737/-	500/-	Three Month
2	Retrofitting and Improvement of **LWSS Dharmana** in Tehsil Ramshehar Distt Solan HP Sub Head Construction of RCC Storage tank 50000 Ltr Capacity in **Village Lunas Under JJM.**	397431/-	7949/-	500/-	Two Months
3	Restoration of rain damages of **Sai Charog** in Tehsil Ramshehar District Solan HP (Sub Head:- Replacement of old pumping machinery 75 HP with allied accessories of LWSS Sai Charog). Under DMFT, Job-1	562500/-	11250/-	500/-	Two Month
4	Retrofitting and improvement of **LWSS Joghon Section** and providing LWSS to PC habitation Mittian Behli Khaller and its adjoining villages in Tehsil Nalagarh District Solan HP (Sub Head Construction of RCC sector storage tank 30000 liters at village Chanalka and 15000 ltrs. at village Riyan Mattian) **Under JJM.**	493697/-	9874/-	500/-	Three Month
5	A/R and M/O **LWSS Bhini ki johri** under Section Nand in JSV sub division Ramshehar in Tehsil Ramshehar District Solan HP (sub Head :- Providing human resources for smooth operation of pumping machinery, all civil structure such as pump house, storage tanks etc.) **For One year**	393480/-	7870/-	500/-	One year
6	Retrofitting of existing **STPs for identified 166 GPs** all over the state (Sewerage Scheme Nalagarh Town in Tehsil Nalagarh District Solan (HP) (Sub Head:- Providing and supplying Sewer Jet Machine and safety equipment to field staff).	560671/-	11213/-	500/-	One Month

1 **Last date of filing / uploading the tender through e-tendering: - 16-09-2025 upto 11:00 AM**. The tender forms and other detailed conditions can be obtained from the website www.hpiph.org.

HIM SUCHNA AVAM JAN SAMPARK

Executive Engineer,
JSV Divn. Nalagarh,
istt. Solan (HP).

R.No. 2870/2025-2026

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT

E-Procurement Notice
INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer, B&R Division, HPPWD, Solan. Distt. Solan (H.P.) on behalf of Governor of H.P. invites the percentage rate bids, in electronic tendering system, from the eligible class of contractors registered with HPPWD for the work as detailed in the table.

Sr. No	Name of work	Estimated cost (Rs.)	Earnest Money	Time	Starting Date for downloading Bid.	Deadline for submission of Bid.
1.	Repair and maintenance of CMO Residence at officer colony Kotla Nallah Solan Deposit work (SH: Providing and laying CC work, brick work, steel work, tiles work, plastering and painting work)	996211/-	20000/-	Two Months	12.09.2025 at 4:00 PM	18.09.2025 at 11:00 AM
2	Construction of Rajsav Sadan building at Solan Deposit work (SH: Addition/alteration of kitchen and painting work, fencing wire and WS & SI)	622534/-	12500/-	Two Month	12.09.2025 at 4:00 PM	18.09.2025 at 11:00 AM
3	Construction of home guard building at Solan (Deposit work) (SH: C/o PCC R/wall at front side and back side of building, boundary wall, laying of paver block at open area and paint work in the building)	2241784/-	45000/-	Two Month	12.09.2025 at 4:00 PM	18.09.2025 at 11:00 AM
4	Repair and maintenance of Govt. Sanskrit college building at Solan (Deposit work) (SH: Providing and fixing aluminum window and tile work etc.)	1253423/-	25000/-	Two Month	12.09.2025 at 4:00 PM	18.09.2025 at 11:00 AM
5	Repair and maintenance of Govt. women polytechnic college at Kandaghat (Deposit work)(SH: Construction of steel iron entry gate and bench park at starting point of approach road)	871518/-	17500/-	Two Month	12.09.2025 at 4:00 PM	18.09.2025 at 11:00 AM
6	Restoration of rain damages on Chaila Neripul Yashwantnagar Oachghat Kumarhatti road km 62/0 to 75/575 (SH: Construction of PCC R/wall at RD 66/545 to 66/560) emergency work	535627/-	11000/-	Two Month	12.09.2025 at 4:00 PM	18.09.2025 at 11:00 AM
7	Annual repair and maintenance of type-II quarter set no. 7,8,9 and 10 near ITI colony at Solan (SH: Providing and fixing wood work for ceiling and cement based etc.)	496998/-	10000/-	One Month	12.09.2025 at 4:00 PM	18.09.2025 at 11:00 AM
8	Repair and maintenance of type-IV set no. 1 officer colony Kotla nallah Solan (SH: Providing and fixing wood work, tile work, wall paper, painting and distempering etc.)	454222/-	9000/-	Two Month	12.09.2025 at 4:00 PM	18.09.2025 at 11:00 AM
9	Repair and maintenance of 15 bedded hospital at Kandaghat Distt. Solan (Deposit work)(SH: Repair of roof ceiling, water supply and sanitary items)	884314/-	18000/-	Two Month	12.09.2025 at 4:00 PM	18.09.2025 at 11:00 AM
10	Repair and maintenance of 15 bedded hospital at Kandaghat Distt. Solan (Deposit work)(SH: Repair of plater and patches, putty, whitewashing and distempering etc.)	1051450/-	21200/-	Two Month	12.09.2025 at 4:00 PM	18.09.2025 at 11:00 AM
11	Restoration of rain damages on HPPWD 3rd circle office building at solan (SH: Construction of Retaining wall behind the office boundary	410086/-	8200/-	Two Month	12.09.2025 at 4:00 PM	18.09.2025 at 11:00 AM

The bidders are advised to note other details of tenders from the department website www.hptenders.gov.in

Executive Engineer,
B&R Division,
HPPWD, Solan,
(On Behalf of Governor of Himachal Pradesh)

R.No. 2885/2025-2026

बच्चों को अखबार पढ़ने से मिलते हैं ढेर सारे फायदे

कुछ लोग रोजाना सुबह उठकर अखबार पढ़ना पसंद करते हैं। ना सिर्फ लोग बल्कि कई स्कूलों में भी बच्चों को पढ़ने के लिए अखबार दिए जाते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि अखबार पढ़ने से बच्चों को कौन से फायदे मिलते हैं? दरअसल रोजाना अखबार पढ़ने की हैबिट हर उम्र के लोगों के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है। इस आदत की मदद से आपको लाइफ टाइम ढेर सारे फायदे मिलते हैं। चलिए जानते हैं इस विषय के बारे में विस्तार से।

रीडिंग हैबिट होती है अच्छी

अखबार बोल-बोल के पढ़ने से बच्चों की रीडिंग हैबिट काफी अच्छी होती है। अखबार में लिखी खबरों के लिए हर तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में जब बच्चे खबर पढ़ते हैं तो उससे उन्हें शब्दों को तोड़-तोड़ कर पढ़ना आ जाता है।

खबरों के बारे में चलता है पता

चाहे कोई बच्चा हो या बड़ा, हमें खबरों के बारे में अच्छे से पता होना चाहिए। शुरुआत से ही खबरों पर पकड़ बनाने पर आगे चलकर एक अच्छी नॉलेज मिल पाती है। बच्चे जब खबर पढ़ते हैं तो उन्हें देश और विदेश में क्या चल रहा है यह भी मालूम हो जाता है।

लिखना सुधरता है

पढ़ने के साथ-साथ बच्चों को लिखना सिखाने के लिए भी अखबार की मदद ली जा सकती है। बच्चा जब खबरों की पंक्तियों को पढ़ता है तो उसे वाक्य बनाने आते हैं और मात्राओं को भी ज्ञान मिलता है।

शब्दकोश मजबूत होता है

अखबार पढ़ने से हमारा शब्दकोश भी बड़ा होता है जिससे हम बात करते वक्त अपनी भावनाओं को ढेर सारे शब्दों में व्यक्त कर पाते हैं। बच्चों का शब्दकोश बड़ा होने पर उनके लिखने की आदत भी सुधरी है।

नौकरी में मिलती है मदद

जब एक बच्चा अखबार पढ़कर ऊपर दिए गए सारे बिंदु प्राप्त कर लेता है तो उसे नौकरी के दौरान होने वाले इंटरव्यू को देने में बहुत मदद मिलती है। साथ ही पत्रकारिता जैसे बहुत सारे प्रोफेशन में लिखना एक मुख्य कौशल होता है। जो बच्चे शुरुआत से ही अखबार पढ़ते हैं उन्हें आगे चलकर नौकरी में बहुत मदद मिलती है।

बच्चों पर ज्यादा गुस्सा आए तो क्या करें

कई बार पेरेंट्स बच्चों की हरकतों से परेशान होकर उन्हें डांट देते हैं। पेरेंट्स को अपने बच्चों की मासूमियत भी नहीं समझ आती है। जरूरत इस बात की है कि अपने गुस्से को कंट्रोल कर बच्चे की मासूमियत को एंज्वॉय करना चाहिए। आज हम आपको बच्चे की परवरिश के साइकोलॉजिकल टिप्स के बारे में बताएंगे।

कई बार पेरेंट्स बच्चों की हरकतों से परेशान होकर उन्हें डांट देते हैं। पर हर बार आपका बच्चा गलत ही हो ये जरुरी नहीं। दरअसल, कभी-कभी आपको चाहिए कि आप अपने बच्चों की बातो को भी सुनें और समझें। अपने काम से थोड़ा फ्री होकर उनके साथ भी वक्त बिताएं। बच्चों को भी ये लगना चाहिए कि उनके मां-बाप उनकी बातों को समझते हैं। ऐसा करने से आपके बच्चे की बिहेवियर में सुधार भी आएगा।

अपने गुस्से और इमोशन्स पर करें कंट्रोल

अगर आपको कभी आपके बच्चे पर गुस्सा आता है, तो आपको कंट्रोल करना चाहिए। ऐसा करने से बच्चे के दिमाग पर गलत प्रभाव पड़ता है। हो सकता है कि बच्चा आपसे डरने लगे और आपसे बात करना बंद कर दे। इसलिए जरुरी है कि बच्चों की नादानी को उनका मासूमियत समझकर अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें।

अच्छे-अच्छे एग्जाम्पल दिखाएं

अपने बच्चे को अच्छी आदतों का उदाहरण देकर समझाएं। गलत चीजों के ऊपर डांटने की जगह अगर आप उन्हें सही आदतों के बारे में समझाएंगे तो शायद उनके दिमाग में पोजिटिविटी आएगी। साथ ही, आपको बच्चों के व्यवहार में काफी कई सारे नए बदलाव भी नजर आएंगे।

सही समय पर करें बात

बच्चे जब ज्यादा जिद्द करने लगे तो उन्हें बड़े ध्यान से हैंडल करना होता है। उनको समझाने के लिए बच्चों के मूड के अनुसार सही समय का इंतजार करें। जब लगे कि आपका बच्चा सही मूड में है और आपके पास बैठ रहा है तो उस टाइम आप उसे प्यार से समझा सकती हैं।

बच्चों के सामने पोजिटिव अप्रोच

बच्चे अक्सर तभी खुश होते हैं और पेरेंट्स की बात सुनते हैं जब कुछ उनके मन के अनुसार हुआ हो। इसलिए आपको चाहिए कि आप बच्चों के सामने पोजिटिव अप्रोच रखें। जैसे अगर आपके बच्चे को घूमना पसंद है तो बच्चे से कभी-कभी घूमने का प्रॉमिस करके अपना काम आसान कर सकती हैं।

प्लास्टिक की बोतल की मदद से किए जा सकते हैं गार्डन के ढेर सारे काम

घर के खाली हिस्से में गार्डन बनाना हम सभी को अच्छा लगता है। कुछ लोग सब्जियां उगाते हैं तो कुछ खूबसूरत फूल से गार्डन को सजाते हैं। गार्डन में लगे पौधों को हरा-भरा रखने के लिए कुछ चीजों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी होता है। आप भी गार्डन के लिए बहुत सा सामान मार्केट से खरीदते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्लास्टिक की बोतल से भी आप गार्डन के ढेर सारे काम कर सकते हैं।

बीज संभाल कर रखें

पौधों को लगाने के लिए हम सभी बीज खरीदते हैं लेकिन बहुत बार बीज बच जाते हैं। कई बार तो बीज का पैकेट ही बड़ा होता है। ऐसे में एक साथ ढेर सारे पौधे लगाने के बजाए हम कुछ बीज को संभाल कर रख लेते हैं। बीज को पैकेट में रखने से अच्छा है कि आप उसे किसी मजबूत चीज में संभाल कर रखें। इसके लिए आप घर पर रखी प्लास्टिक की बोतल यूज कर सकते हैं। वहीं अगर आपकी बोतल ज्यादा बड़ी और बीज कम हो तो आप बोतल को काट कर छोटा भी कर सकते हैं।

बनाएं स्प्रे बोतल

पौधों का ध्यान रखने के लिए बहुत से लोग तरह-तरह के फर्टिलाइजर का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप घर पर फर्टिलाइजर बनाते हैं तो आप स्प्रे बोतल भी मार्केट से खरीदने की बजाए घर पर ही बना सकते हैं। बोतल आप कोई भी ले सकते हैं और उसके ढक्कन में छेद कर पौधों पर स्प्रे कर सकते हैं।

करें गमले की तरह इस्तेमाल

पौधों के गमले खरीदने के लिए खर्च करने से अच्छा है कि आप घर पर ही गमला बना लें। इसके लिए आपको प्लास्टिक की बोतल को बीच में से काटकर आधा करना है। ऐसा करने के बाद बोतल में मिट्टी और खाद डालें। अब आपका गमला बन गया है जिसमें आप पौधे लगा सकते हैं। चूंकि प्लास्टिक की बोतल से बना गमला बहुत छोटा होता है इसलिए आप इसे घर के किसी भी हिस्से में लगा सकते हैं।

सजाएं गार्डन

गार्डन में गमलों को जमीन पर लगाने के साथ-साथ दीवारों पर या किसी रस्सी की मदद से टांगा भी जा सकता है। प्लास्टिक की बोतल पर रंग कर आप उससे काफी खूबसूरत गमला बना सकते हैं।

ढक्कन को ऐसे करें यूज

बोतल के साथ-साथ ढक्कन को भी मिट्टी में खड़ा कर पौधों की बाउंड्री बनाने के लिए यूज कर सकते हैं। इसके लिए आपको कम से कम 10 से 15 ढक्कन की जरूरत होगी जिन्हें आप खुल्ला-खुल्ला लगा कर सजा सकते हैं। इन ढक्कन पर रंग की किया जा सकता है।

अपने बच्चों के लिए पढ़ाई को मजेदार बनाएं

अक्सर बच्चों का ध्यान पढ़ाई में लगवाना मुश्किल होता है। क्योंकि पढ़ने के लिए बैठते ही कभी बच्चों को टॉयलेट की याद आती है तो कभी भूख लग जाती है। कुछ बच्चों की आदत होता है कि वह पढ़ाई से अपना मन चुराते दिखाई देते हैं। ऐसे में बच्चों के अंदर कंसंट्रेशन को बढ़ाना एक परेशानी भरा काम है, खासकर तब, जब वह बहुत ज्यादा एक्टिव होते हैं। अगर आपके घर में ऐसा है, तो आपको कुछ टिप्स जानने की जरूरत है जिससे आप अपने बच्चों के लिए पढ़ाई को मजेदार बना सकते हैं।

माहौल बनाएं

कई माता-पिता की आदत होती है कि बच्चे की बात सुने बिना वह बच्चे को बस पढ़ने बैठा देते हैं। जिससे बच्चों का पढ़ाई में मन ही नहीं लगता है। ऐसे में बच्चे को क्लासरूम में भेजने से पहले आपको कुछ ऐसा करना होगा जो बच्चों का ध्यान पढ़ाई की ओर आकर्षित करें। इसके लिए आप कुछ आकर्षक स्टेशनरी का सहारा ले सकते हैं। इसके लिए आप बच्चों को खूबसूरत स्टेशनरी से भरा हॉबी बैग दे सकते हैं।

टू-डू लिस्ट

बच्चे इस बात को सुनकर काफी ज्यादा एक्साइटेड रहते हैं कि वह आज पूरा दिन कैसे बिताएंगे। ऐसे में आप शुरूआत से ही उन्हें एक टू-डू लिस्ट बनाने की आदत डालें। ऐसा करने से वह समय-समय पर वहीं काम करेंगे। साथ ही ऐसा करना उनके लिए काफी एक्साइटिंग भी होगा। साथ ही ऐसे में उनकी कंसंट्रेशन पावर भी बढ़ेगी।

फ्लोचार्ट और लाइफ लर्निंग

आप अपने घर में टेक्सचर प्रिंटेड बुलेटिन बोर्ड लगवा सकते हैं। इसे देखने से भी आपके बच्चे का ध्यान आकर्षित होगा। इस बोर्ड पर आप उन चीजों को पिन कर सकते हैं जो आपने अपने बच्चे से करने को कहा है। इस पर आप कुछ इंटरेस्टिंग फोटो भी लगा सकते हैं जो बच्चे के कोर्स से जुड़ी हो जिसे जानने के लिए वह उत्सुक रहे।

व्हाइट बोर्ड और चाक बोर्ड

बाजार में इन दिनों एक बोर्ड मिल रहा है, जो एक तरफ से व्हाइट बोर्ड और दूसरी तरफ से चाक बोर्ड का काम करता है। इस तरह के बोर्ड पर पढ़ाई करना बच्चों के लिए काफी एक्साइटिंग होता है। इस पार आप उन्हें अच्छे से समझा सकते हैं। साथ ही वह भी खेल-खेल में भी इस बोर्ड के सहारे पढ़ाई कर सकते हैं।

टेबल-कुर्सी

आप बच्चों के लिए इस तरह की टेबल खरीदें जिसकी बनावट, डेस्क, स्टोरेज, लाइट आदि सब कुछ हो। अगर बच्चे की टेबल में ही सब कुछ होगा तो उन्हें सामान भी आसानी से मिल जाएगा। ऐसे में वह अपनी जगह से तब ही उठेंगे जब उनकी पढ़ाई पूरी हो जाएगी!

पति-पत्नी साथ मिलकर समझदारी और सहयोग से करें धन की बचत

अकेले घर का ख़र्च उठाना पुरुष के लिए थोड़ा मुश्किल होता है। सारे ख़र्चों से उसे ही निपटना पड़ता है। परंतु अगर पत्नी भी नौकरी करती है और समान रूप से हिस्सेदारी निभाती है तो ख़र्चे वहन करने के साथ-साथ बचत भी की जा सकती है। जब पति-पत्नी मिलकर बचत करते हैं या वित्तीय लक्ष्यों के लिए रणनीति बनाते हैं, तो वे आर्थिक रूप से ज़्यादा ख़ुश रहते हैं। जिंदगी से जुड़े सभी फैसले पति-पत्नी एक साथ मिलकर लेते हैं, लेकिन जब ख़र्चों और बचत की बात आती है तो वे पीछे रह जाते हैं। कुछ तरीक़ों और तरकीबों से इसकी शुरुआत कर सकते हैं।

बजट से शुरुआत करें

पति-पत्नी साथ बैठकर अपने एक-एक ख़र्च की सूची तैयार करें। इसमें हर छोटे से छोटे ख़र्च को शामिल करना है। इसके लिए आपको कम से कम आधा-एक घंटा तो देना ही होगा। हर हफ़्ते यानी शनिवार या रविवार को दोनों साथ बैठकर बजट की समीक्षा करें। इससे पता चलेगा कि आपने जो बजट तय किया है उसके अनुसार आप चल रहे हैं या नहीं।

बचत की रेस लगाएं

हर महीने दंपती पैसे बचाने और ख़र्च कम करने की रेस लगा सकते हैं। इसके लिए दोनों एक-एक बॉक्स अपने पास रखें। पति और पत्नी को अपने-अपने बॉक्स में पैसे जमा करने हैं। पैसे किसी ख़रीदारी में बचाए हुए हो सकते हैं या अतिरिक्त ख़र्चों को रोककर जोड़े जा सकते हैं। महीने के अंत में जिसने ज़्यादा धन जोड़ा वो जीत जाएगा। हर महीने ये धन राशि अपने-अपने बैंक के खाते में जमा कर दें।

एक ख़र्च करे दूसरा बचाए

पति-पत्नी की आय बराबर हो ऐसा ज़रूरी नहीं। ऐसे में जिसकी आय ज़्यादा है उसे घर और निजी ख़र्च के लिए रखें, जिसकी आय कम है उसे सुरक्षित कर सकते हैं। ऐसा मुमकिन नहीं है तो दोनों की आय की आधी-आधी रक़म बचत के लिए और आधी ख़र्च के लिए इस्तेमाल की जा सकती है। लेकिन ध्यान रखें कि आधी आय बचत के रूप में सुरक्षित करनी ही है।

एक-दूसरे से छुपाएं नहीं

सेविंग अकाउंट है और दोनों ने उससे कुछ ख़रीदा है तो एक-दूसरे को अवश्य बताएं, कुछ छुपाएं नहीं। छोटे-छोटे ख़र्च भी छुपाएंगे तो इसका असर बजट पर पड़ेगा। इस बात का भी ध्यान रखें कि अगर क्रेडिट कार्ड है तो उसका इस्तेमाल कम या न ही करें। क्रेडिट कार्ड से आप वो सामान ख़रीदते हैं जिनका भुगतान किया नहीं है। यह एक तरह का उधार है, और उधार किसी भी रूप में सही नहीं है।

समझदारी दिखाएं

जन्मदिन या शादी की सालगिरह पर एक-दूसरे को क़ीमती उपहार देना अपने आप में बड़ा ख़र्च हो जाता है। इसके बजाय आप निवेश करने में थोड़ी समझदारी दिखा सकते हैं। क्योंकि कई जगह महिलाओं को निवेश करने में टैक्स छूट मिलती है, जैसे कि घर। अगर आप ऐसी जगह निवेश करने जा रहे हैं तो पत्नी के नाम से निवेश कर सकते हैं।

कार्लोस अल्काराज ने सिनर को हराकर जीता यूएस ओपन का खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। स्पेन के टेनिस सुपरस्टार कार्लोस अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन के साथ यूएस ओपन 2025 का पुरुष एकल खिताब अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही उन्होंने जैनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन खिताब जीता और विश्व नंबर 1 रैंकिंग भी हासिल की। यूएस ओपन फाइनल में अल्काराज ने इटली के सिनर को चार सेटों में 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से हराकर अपना दूसरा यूएस ओपन और छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। इस जीत के साथ ही अल्काराज ने सिनर की 65 सप्ताह की विश्व नंबर 1 रैंकिंग को छीनकर फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया है।

दरअसल, अल्काराज ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। अल्काराज ने सिनर पर दबदबा कायम रखते हुए पहला सेट 6-2 से अपने नाम किया। हालांकि, सिनर ने दूसरे सेट में वापसी की और 6-3 से जीतकर मुकाबला बराबर किया। अल्काराज ने तीसरे सेट में शानदार वापसी की और 6-1 से जीत हासिल की। इसके बाद चौथे सेट में 6-4 से जीत हासिल की। अल्काराज ने पूरे टूर्नामेंट में केवल एक सेट गंवाया, जो इस फाइनल में था। इस जीत के बाद कार्लोस अल्काराज जश्न में डूबे नजर आए। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे कुछ लोगों के साथ अपनी जीत को सेलिब्रेट कर रहे हैं। 2025 में अल्काराज और सिनर के बीच यह लगातार तीसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल था। इससे पहले अल्काराज ने फ्रेंच ओपन में सिनर को हराया था, जबकि सिनर ने विंबलडन में जीत हासिल की थी।

अल्काराज छह ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले ब्योर्न बोर्ग के बाद दूसरे सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उनके पास अब फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन में दो-दो खिताब हैं, जिसके साथ वह नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और मैट्स विलेंडर के साथ उन चुनिंदा पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने तीनों सतहों (हार्ड कोर्ट, क्ले और घास) पर कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इस जीत के साथ उन्होंने 5 मिलियन डॉलर की पुरस्कार राशि भी हासिल की है।

हॉकी एशिया कप 2025:

जीत के रथ पर सवार भारत के सिर सजा एशिया कप का ताज, टूर्नामेंट में दागे सर्वाधिक गोल

राजगीर, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम आठ साल बाद एशिया कप की चैंपियन बनी है। यह उसकी टूर्नामेंट में चौथी खिताबी जीत है। हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने मौजूदा चैंपियन कोरिया को पराजित कर न सिर्फ ट्रॉफी जीती, बल्कि अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। बिहार के राजगीर में एशिया कप 2025 का खिताबी मुकाबला रविवार को भारत और दक्षिण कोरिया के बीच खेला गया। इस मैच में भारतीय हॉकी टीम ने पांच बार की विजेता कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय टीम इस पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। भारत आठ साल बाद एशिया कप का चैंपियन बना है। यह उसकी एशिया कप में चौथी खिताबी जीत है।

सुपर-4 चरण में भी अजेय रही भारतीय टीम

सुपर-4 चरण में भी भारत अजेय रहा और अंततः खिताब अपने नाम किया। तीन सितंबर को भारत और कोरिया के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुआ। अगले ही दिन यानी चार सितंबर को टीम इंडिया ने मलयेशिया को 4-1 से मात देकर धमाकेदार जीत हासिल की। इसके बाद छह सितंबर को भारत ने चीन पर 7-0 से बड़ी जीत दर्ज की।

पूल चरण में अपराजेय रही भारतीय टीम

एशिया कप हॉकी 2025 में भारतीय टीम ने पूल चरण में शानदार प्रदर्शन किया। टीम इंडिया ने लगातार तीन मुकाबले जीतकर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा और नॉकआउट चरण की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।29 अगस्त को भारत ने चीन को रोमांचक मुकाबले में 4-3 से मात दी। इसके बाद 31 अगस्त को जापान के खिलाफ कड़े संघर्ष में भारतीय खिलाड़ियों ने 3-2 से जीत दर्ज की। वहीं, 1 सितंबर को कजाकिस्तान पर टीम इंडिया ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 15-0 से एकतरफा जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन पूरी तरह आत्मविश्वास और तालमेल से भरा हुआ रहा। तीनों मैचों में जीत दर्ज करने के बाद टीम ने एशिया कप खिताब की प्रबल दावेदारी पेश की।

दक्षिण अफ्रीका को मिली वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार, इंग्लैंड ने 342 रन से हराया

हैम्पशायर, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम को वनडे क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी है। रविवार को खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 342 रन के अंतर से हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था, जो बिल्कुल उल्टा पड़ गया। इंग्लैंड ने 50 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 414 रन बनाए। जैकब बेथेल ने अपना पहला शतक लगाया और 82 गेंद पर 3 छक्के और 13 चौके लगाते हुए 110 रन की पारी खेली। वहीं, जो रूट ने 96 गेंदों पर 6 चौके लगाते हुए 100 रन की पारी खेली। इसके अलावा जोस बटलर ने 32 गेंद पर नाबाद 62 रन की पारी खेली। जेमी स्मिथ ने 48 गेंद पर 62 रन बनाए।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025:

लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल में, जैस्मिन क्वार्टर फाइनल में; निखत भिड़ेंगी जापान की युना निशिनाका से

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2025 में भारत के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। पुरुषों के 80 किग्रा भार वर्ग में लक्ष्य चाहर प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में पहुंच गए हैं, जबकि महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में जैस्मिन ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लक्ष्य चाहर ने पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए जॉर्डन के हुसैन इशैश को 5-0 से मात दी। उन्होंने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और पहले राउंड में बढ़त बना ली। दूसरे राउंड में हुसैन ने वापसी की कोशिश की, लेकिन तीसरे राउंड में लक्ष्य ने फिर से दबदबा बनाया और शानदार जीत दर्ज की। सभी पांचों जजों ने सर्वसम्मति से फैसला लक्ष्य के पक्ष में दिया। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में जैस्मिन ने ब्राजील की जूसिएलन सेकेंरा रोमेउ को 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

पवन बर्तवाल का सफर समाप्त पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में भारत के पवन बर्तवाल को उज्बेकिस्तान के मिर्जाखालोलोव मिराजिजबेक के खिलाफ 0-5 से हार झेलनी पड़ी। इसके साथ ही उनकी विश्व चैंपियनशिप की यात्रा यहीं समाप्त हो गई। लवलीना बोरगोहैन बाहर टोक्यो ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहैन पहले दौर में ही बाहर हो गईं। उन्हें महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में तुर्की की बुसरा इसिलदार ने 5-0 से हराया।

मोहम्मद रिजवान ने अकेले जितवा दिया मैच, पाकिस्तान से बाहर होने के बाद इस टीम के लिए उड़ाए 22 छक्के -चौके

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की एशिया कप की टीम से बाहर होने के बाद मोहम्मद रिजवान ने सीपीएल का रुख किया, जहां उनका करार सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स टीम से हुआ. इसके आगे की कहानी सीपीएल 2025 में बखूबी दिख रही है. गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ 8 सितंबर को खेले मुकाबले में मोहम्मद रिजवान ने अपनी टीम को अकेले दम पर मैच जिताया. और, इसका इससे बड़ा सबूत और क्या होगा कि गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ टीम के बनाए टोटल रन में आधे से ज्यादा रिजवान के बल्ले से निकले थे,

रिजवान किसी गेंदबाज से नहीं हुए आउट

गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी. उसके लिए पारी मोहम्मद रिजवान और आंद्रे फ्लेचर ने पारी की शुरुआत की. ओपनिंग जोड़ी तो ज्यादा देर तक नहीं जमीं पर रिजवान इतनी देर तक विकेट पर जरूर खड़े हो गए, जिससे गयाना अमेजन वॉरियर्स को हराने लायक रन स्कोर बोर्ड पर लग गए. मोहम्मद रिजवान को मैच में गयाना का कोई गेंदबाज आउट नहीं कर सका. बल्कि वो रन आउट हुए. हालांकि, उससे पहले वो अपना काम कर चुके थे.

क्रिस गेल ने किया खुलासा, पंजाब किंग्स में हुआ अपमान, कहा- मैं कोच कुंबले से निराश हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज और यूनिवर्स बॉस के नाम से मशहूर क्रिस गेल एक मस्तीखोर इंसान के रूप में जाने जाते हैं। वह जहां भी जाते हैं उनके चेहरे पर एक चमकदार मुस्कान होती है। गेल ने दुनिया भर की कई टी20 फ्रेंचाइजी के लिए खेला है। 2021 में पंजाब किंग्स के साथ उनका आईपीएल करियर अचानक खत्म हो गया। उन्होंने बीच में ही फ्रेंचाइजी छोड़ने के लिए बबल थकान का हवाला दिया। लेकिन अब सालों बाद उन्होंने फ्रेंचाइजी पर उनका अनादर करने का आरोप लगाया है। गेल ने शुभंकर मिश्रा को उनके यूट्यूब शो पर कहा, ओह, मेरा आईपीएल समय से पहले ही समाप्त हो गया। आप जानते हैं पंजाब के साथ ईमानदारी से कहूं तो। हां मेरा मतलब है कि फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स इलेवन में मेरा अनादर किया गया। आप जानते हैं। मुझे ऐसा लगा कि एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में मेरे साथ ठीक से व्यवहार नहीं किया जा रहा था। जिसने लीग के लिए इतना कुछ किया। आप जानते हैं फ्रेंचाइजी के लिए भी इतना मूल्य लाया। और फिर आपका अनादर किया जाता है और वे आपके साथ एक बच्चे की तरह व्यवहार करते हैं और फिर मैं लगभग ऐसा महसूस करता हूं जैसे मुझे लगा कि इमारत मेरे कंधे पर है। यह मेरे जीवन में पहली बार था जब मैंने अवसाद की स्थिति महसूस की। इसलिए जब लोग अवसाद के बारे में बात करते हैं तो मुझे इसका थोड़ा सा आभास हो जाता है और यह मेरे लिए नहीं था।गेल ने याद करते हुए कहा, तो मुझे पता है कि हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि यह हमारा काम है। लेकिन उस स्तर पर पैसा कुछ भी नहीं है। आपको वहां पैसे की जरूरत नहीं है।

एशिया कप से बाहर होने पर श्रेयस अय्यर का छलका दर्द, बोले- मेहनत करते रहो, चाहे कोई...

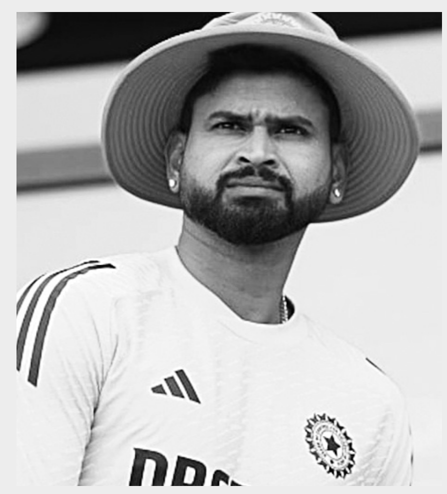

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 की शुरुआत 9 सितंबर (मंगलवार) से हो रही है. इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (श्र) के खिलाफ मुकाबले से करेगी. फिर टीम इंडिया को पाकिस्तान का सामना करना है. भारत-पाकिस्तान का मुकाबला 14 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ही खेला जाना है. एशिया कप में भारतीय टीम की कप्तानी सूर्यकुमार यादव कप्तानी करने जा रहे हैं. वहीं शुभमन गिल को भारतीय टीम का उप-कप्तान बनाया गया है. टीम में स्टार बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिली है, जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में पंजाब किंग्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था. श्रेयस अय्यर का टीम में ना होना फैन्स और क्रिकेट विशेषज्ञों को हैरान कर गया. अब श्रेयस ने एशिया कप स्क्वॉड में नहीं चुने जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. श्रेयस ने टीम से बाहर किए जाने पर खिलाड़ियों को होने वाली मानसिक चुनौतियों के बारे में भी बात की. श्रेयस का इस दौरान दर्द भी छलक पड़ा. श्रेयस का मानना है कि एक खिलाड़ी को मेहनत करते रहना चाहिए, चाहे कोई उसे देखे या ना देखे. श्रेयस के मुताबिक टीम से बाहर होने पर निराश होना स्वाभाविक है क्योंकि खिलाड़ी मेहनत करते हैं और खुद पर भरोसा रखते हैं.

8 टीमों वाले एशिया कप की 8 बड़ी बातें, मुकाबला देखने से पहले इनके बारे में जानना है जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप का 17वां सीजन आज से शुरू होने जा रहा है. इस बार 8 टीमों के बीच इसके मुकाबले 9 सितंबर से 28 सितंबर तक अबू धाबी और दुबई शहर में खेले जाएंगे. सभी मुकाबले भारतीय समय से रात के 8 बजे शुरू होंगे. 17वें सीजन में सिर्फ एक डबल हेडर डे, 15 सितंबर को होगा. उस दिन पहला मैच भारतीय समय से शाम के साढ़े 5 बजे शुरू होगा. जबकि दूसरा मैच रात के 8 बजे से होगा.

अब सवाल है कि एशिया कप इस बार यूएई में क्यों खेला जा रहा है? तो इसके पीछे भारत-पाकिस्तान के राजनीतिक हालात काफी बड़ी वजह है. भारत एशिया कप 2025 का आधिकारिक मेजबान था, लेकिन पाकिस्तान के साथ तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण, अब दोनों टीमें एक-दूसरे के देश में नहीं खेलतीं. अगर भारत इस टूर्नामेंट की मेजबानी करता, तो पाकिस्तान से जुड़े मैच किसी न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाते, जैसे 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की मेज़बानी के दौरान भारत के मैच यूएई में खेले गए थे. इसलिए, जबकि बीसीसीआई आधिकारिक मेज़बान बना हुआ है, इस बार मैच यूएई में खेले जाएंगे.

एशिया कप का पहला आयोजन साल 1984 में हुआ था. मतलब पहले वनडे वर्ल्ड कप के ठीक 9 साल बाद. पहले एशिया कप में सिर्फ भारत-पाकिस्तान और श्रीलंका ने हिस्सा लिया था. भारत एशिया कप का ना सिर्फ डिफेंडिंग चैंपियन है बल्कि इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम भी है. भारत ने 2023 में वनडे फॉर्मेट में खेले एशिया कप के फाइनल में श्रीलंका को रौंदकर 8वीं बार खिताब पर कब्जा किया था. भारत के बाद श्रीलंका दूसरी सबसे सफल टीम है, जिसने 6 बार ट्रॉफी उठाई है. वहीं पाकिस्तान सिर्फ 2 एशिया कप जीतकर लिस्ट में तीसरे नंबर पर है.

एशिया कप की शुरुआत हुई तो वनडे टूर्नामेंट के तौर पर थी. मगर पिछले एक दशक से इसमें टी20 फॉर्मेट का भी तड़का लगता दिखा है. ये इस पर निर्भर करने लगा है

कि आने वाला वर्ल्ड कप किस फॉर्मेट का है. 2023 में जो पिछला एशिया कप खेला गया था, वो वनडे फॉर्मेट में था. वो टूर्नामेंट उस साल हुए वनडे वर्ल्ड कप से कुछ महीने पहले खेला गया था. इस बार का एशिया कप टी20 फॉर्मेट में है क्योंकि अगले साल फरवरी में टी20 वर्ल्ड कप होने वाला है.

सबसे ज्यादा टीमों वाला एशिया कप यही है जो इस बार खेला जा रहा है. एशिया कप 2025 में सिर्फ भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान ही नहीं बल्कि उन्हें मिलाकर कुल 8 टीमें पहली बार खेल रही हैं. भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान डायरेक्ट क्वालिफिकेशन वाली 5 टीम हैं. जबकि बाकी की 3 टीम श्र, ओमान और हॉन्ग-कॉन्ग हैं. ये तीनों टीमें पिछले साल मेंस ष्ष्ट प्रीमियर कप में अच्छा प्रदर्शन किया था.

नेपाल के एशिया कप 2025 में नहीं होने की वजह पिछले साल मेंस ष्ष्ट प्रीमियर कप में उसका प्रदर्शन है. नेपाल की टीम अपने ग्रुप में टॉप पर रही थी पर सेमीफाइनल में उसे यूएई के हाथों और फिर तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में हॉन्ग कॉन्ग से हार का सामना करना पड़ा था.

8 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है. ग्रुप ए में भारत के अलावा ओमान, पाकिस्तान और यूएई है. जबकि ग्रुप बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, हॉन्ग-कॉन्ग और ओमान है. दोनों ग्रुप की टॉप 2 टीम सुपर फोर राउंड के लिए क्वालिफाई करेगी, जहां वो एक दूसरे के खिलाफ करेगी. फिर उनमें 2 टीमें 28 सितंबर को टूर्नामेंट का फाइनल खेलेंगी.

हां. पहले भले ही इसे लेकर अनिश्चितताओं के बादल थे. लेकिन, भारत सरकार के ताजा स्टैंड के बाद एशिया कप 2025 में उनके खेलने का रास्ता साफ हो गया है. भारत सरकार ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान बाइलेटरल टूर्नामेंट नहीं खेल सकते मगर वो मल्टी नेशन टूर्नामेंट में खेल सकते हैं.

न्यूज डायरी

अतिरिक्त उपायुक्त ने समाधान शिविर में जिलावासियों की सुनी समस्याएं

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव ने गांव कोट के सोहन लाल की चौपाल के अधूरे निर्माण कार्य की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए पंचायती राज के संबंधित अधिकारी को चौपाल का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त उपायुक्त आज लघु सचिवालय के सभागार में सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में जिलावासियों की समस्याएं सुन रही थी। उन्होंने बैठक में उपस्थित संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निपटान करने के निर्देश दिए।

श्रीमती निशा यादव ने राजेंद्र कुमार की तहसील कालका में जमाबंदी के इंतकाल न करने की शिकायत पर एसडीएम पंचकूला को मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है । जिले में सोमवार व वीरवार को कार्यदिवस के दिन प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन लगातार किया जा रहा है। उन्होने बताया कि समाधान शिविर में लोगों की समस्याओं की मुख्यमंत्री स्वयं मानिटरिंग करते हैं और समाधान शिविर से जुडते भी हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को गंभीरता से लोगों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, नगराधीश जागृति, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, जिला वन अधिकारी, जिला बागवानी अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, पीडब्ल्यूडी बी एंड आर, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, सिंचाई, नगर निगम, नगर परिषद तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के चेयरमैन एवं सदस्य मंच की कार्यवाही 9 सितम्बर को

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम सर्कल फोरम पंचकूला के उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच के चेयरमैन एवं सदस्य मंच की कार्यवाही 9 सितम्बर , मंगलवार को प्रातः 11.30 बजे से अधीक्षण अभियंता, पंचकूला के कार्यालय, एससीओ नंबर - 96, पहली मंजिल, सेक्टर-5, पंचकूला में की जाएगी। इस दौरान केवल पंचकूला जिला के उपभोक्ताओं की शिकायतों की सुनवाई की जाएगी।

इस संबंध में जानकारी देते हुए निगम के प्रवक्ता ने बताया की उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली की आपूर्ति उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निगम द्वारा अनेक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मंच के सदस्य, पंचकूला जिले के उपभोक्ताओं की सभी प्रकार की समस्याओं की सुनवाई करेंगे जिनमें मुख्यतः बिलिंग, वोल्टेज, मीटरिंग से सम्बंधित शिकायतें, कनैक्शन काटने और जोड़ने बिजली आपूर्ति में बाधाएं, कार्यकुशलता, सुरक्षा, विश्वसनीयता में कमी और हरियाणा बिजली विनियामक आयोग के आदेशों की अवहेलना आदि शामिल हैं । बहरहाल, मंच द्वारा बिजली अधिनियम की धारा 126 तथा धारा 135 से 139 के अन्तर्गत बिजली चोरी और बिजली के अनधिकृत उपयोग के मामलों में दंड तथा जुर्माना और धारा 161 के अन्तर्गत जांच एवं दुर्घटनाओं से सम्बंधित मामलों की सुनवाई नहीं की जाएगी।

उन्होंने बताया कि सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी शिकायतों के निवारण के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं।

लॉयंस क्लब, चण्डीगढ़ रेडियंस ने गौशाला में हरा-चारा और जरूरतमंद लोगों को कपडे बांटे

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। लॉयंस क्लब, चण्डीगढ़ रेडियंस ने सेक्टर 25 में श्मशान घाट में स्थित गौशाला में गायों के लिए हरा-चारा दान किया और जरूरतमंद लोगों को कपडे बांटे। इस अवसर पर लॉयन एडवोकेट करन एस. गिल (चार्टर प्रेसिडेंट), लॉयन डॉ. राज कृष्ण गुप्ता (चार्टर ट्रेज़रर), लॉयन प्रो. गुरमेल सिंह जोहल, लॉयन इंजीनियर रामजनम पांडेय, लॉयन भगवान दास घावरी, लॉयन राजवीर सिंह जस्सल, लॉयन सुनीता जस्सल, लॉयन वीना गिल, लॉयन पुनीत महाजन, लॉयन विंता महाजन आदि भी उपस्थित रहे।

कॉलेज विद्यार्थियों को आज के आर्थिक परिवेश में वित्त, बचत और निवेश के प्रबंधन के बारे में जागरूक किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सेक्टर 46 स्थित पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग ने आज के तेजी से बदलते आर्थिक परिवेश में वित्त, बचत और निवेश के प्रबंधन के बारे में विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने के लिए वित्तीय साक्षरता पर एक सेमिनार का आयोजन किया। संसाधन व्यक्ति एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के मुख्य प्रबंधक और शाखा प्रमुख दीपक धीमान और एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, चंडीगढ़ की सहायक प्रबंधक (बिक्री) साक्षी गोयल थे।

प्रिंसिपल डॉ. बीनू डोगरा ने कहा कि वक्ताओं द्वारा साझा की गई वित्तीय अनुशासन की महत्ता, म्यूचुअल फंड के माध्यम से धन सृजन और युवा निवेशकों के लिए सुरक्षित वित्तीय भविष्य बनाने की रणनीतियों पर व्यावहारिक अंतर्दृष्टि अत्यधिक जानकारीपूर्ण साबित होगी और विद्यार्थियों को जिम्मेदार वित्तीय प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी। सेमिनार का आयोजन अर्थशास्त्र विभाग की डीन एवं विभागाध्यक्ष श्रीमती अनुराधा मित्तल, श्रीमती वंदना, डॉ. सुजाता एवं डॉ. मनीषा द्वारा किया गया। उप-प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. स्नेह हरशिन्दर शर्मा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए अर्थशास्त्र विभाग के प्रयासों की सराहना की।

हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने 252+ ड्रोन पायलट्स और 136 ड्रोन टेक्नीशियन्स को प्रमाणपत्र देकर किया सम्मानित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने तकनीक और युवा सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कृषि विभाग और हरियाणा स्किल डेवलपमेंट मिशन ने एवीपीएल इंटरनेशनल के साथ मिलकर हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में ड्रोन पायलट्स और टेक्नीशियन्स का प्रमाणपत्र वितरण समारोह आयोजित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने 252+ डीजीसीए-प्रमाणित ड्रोन पायलट्स और 136 ड्रोन टेक्नीशियन्स को प्रमाणपत्र देकर उनका उत्साह बढ़ाया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने एवीपीएल एग्रीकल्चर ड्रोन पेविलियन और स्टार्टअप डिफेंस पेविलियन का भी उद्घाटन किया। यहाँ कृषि और रक्षा, दोनों क्षेत्रों में ड्रोन के इस्तेमाल का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही सिसाई (हिसार) में बने देश के सबसे बड़े डीजीसीए-मान्यता प्राप्त ड्रोन प्रशिक्षण संस्थान और ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का ई-शुभारंभ किया गया। इसके अलावा राज्य के अलग-अलग हिस्सों में 6 नए RPTO खोले गए, ताकि गाँव-गाँव में ड्रोन ट्रेनिंग आसानी से मिल सके।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि "हरियाणा के युवाओं में जबरदस्त क्षमता है कि वे ड्रोन टेक्नोलॉजी में आगे बढ़ें। आज भारत युवाओं के दम पर ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दिखाई राह पर चलते हुए 11वीं अर्थव्यवस्था से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है।"

वहीं, एवीपीएल इंटरनेशनल की सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक डॉ. प्रीत संधू ने कहा कि "हमें युवाओं को डीप टेक से जोड़ना होगा और उन्हें इनोवेशन की तरफ ले जाना होगा। हरियाणा के युवाओं में स्किल हासिल करने का सबसे ज्यादा जज़्बा है, इसी कारण 10 ड्रोन फ्लाईज़ोन सिर्फ हरियाणा में ही शुरू किए गए हैं।"डॉ. प्रीत संधू ने कहा कि यह समारोह आत्मनिर्भर हरियाणा की दिशा में अहम कदम है। डीजीसीए प्रमाणित स्किल्स से लैस युवा अब प्रोफेशनल्स के साथ-साथ समाज और कृषि में नेतृत्व भी करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह पहल ग्रामीण युवाओं को बिना गाँव छोड़े उच्च वेतन वाले करियर और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराएगी। ड्रोन से खेती में प्रिसीजन फार्मिंग, स्प्रेइंग और निगरानी जैसी गतिविधियाँ आसान होंगी, वहीं रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र भी मजबूत होगा।

एवीपीएल इंटरनेशनल के चेयरमैन श्री दीप सिहाग सिसाई ने कहा कि हरियाणा सरकार के सहयोग से ही यह संभव हुआ है। अब ड्रोन तकनीक सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रहेगी बल्कि हर गाँव, हर छात्र और हर किसान तक पहुँचेगी।

कार्यक्रम का समापन डॉ. प्रीत संधू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में 56 यूनिट रक्त हुआ एकत्र

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। विश्व फिजीयोथेरेपी दिवस 2025 के अवसर पर मिशन जीवन रेखा के अंतर्गत विशाल रक्त दान शिविर पीजीआई, चंडीगढ़ में नव्य भारत फाउंडेशन (एनबीएफ भारत) एवं स्टूडेंट असोसिएशन ऑफ फिजीकल थेरेपी (एसएपीटी) द्वारा खेल भारती चंडीगढ़ व ट्रांसफ़्यूजन मेडिसिन विभाग, पीजीआई के सहयोग से आयोजित करवाया गया जिसमें 56 यूनिट रक्त एकत्र हुआ । कैंप में मुख्य अतिथि के नाते दिनेश उनियाल, पुलिस महानिरीक्षक, उत्तरी पश्चिम सेक्टर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की गरिमामयी उपस्थिति रही। आईजी उनियाल ने राष्ट्रीय आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफ के महत्वपूर्ण योगदान बारे जानकारी दी। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो० , विपिन कौशल, मेडिकल सुपरिटेंडेंट, पीजीआई चंडीगढ़ ने की व उन्होंने टीम एनबीएफ व रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया , साथ ही अति विशिष्ट अतिथि के नाते प्रो रति राम, विभागाध्यक्ष, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, पीजीआई चंडीगढ़, प्रो सुचेत सचदेव, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग, पीजीआई, चंडीगढ़, सुनील दत्त, प्रांत संयुक्त सचिव, खेल भारती, पंजाब की उपस्थिति रही। इस मौके पर पीजीआई चंडीगढ़ के फिजियोथेरेपिस्ट, नव्यभारत फ़ाउंडेशन (एनबीएफ, भारत) एवं एसएपीटी इंडिया के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनिरुद्ध उनियाल ने बताया कि एनबीएफ एवं एसएपीटी सदैव राष्ट्र कल्याण के कार्य के लिए संलग्न है और राष्ट्र सेवा परमो धर्मः ही हमारा मूल मंत्र है, व आज हम सभी भारत माता के वीर जवानो के शौर्य से ही सुरक्षित हैं , साथ ही उन्होंने पूरे उत्तर भारत में आई बाढ़ के प्रति भी संवेदना व्यक्त की ।

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री ने वार्षिक सिविल सर्जन कांफ्रेस 2025 कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर किया शुभारंभ

आरती राव ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के महत्व पर दिया जोर

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने सैक्टर-1 के लोक निर्माण विभाग गृह में आज आयोजित वार्षिक सिविल सर्जन कांफ्रेस 2025 कार्यक्रम का मुख्यअतिथि के रूप में दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में संबोधित करते हुए उन्होने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के महत्व पर जोर दिया और सभी नागरिकों के लिए समान पहुँच सुनिश्चित करने हेतु जिला अस्पतालों के आधुनिकीकरण की योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने राज्य में शत-प्रतिशत टीकाकरण की स्थिति और जन्म के समय लिंगानुपात में सुधार करने के लिए पीएनडीटी अधिनियम के कार्यान्वयन में उठाए गए कदमों की सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि जल्द ही इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

उन्होने सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं, विशेष रूप से संचारी और गैर-संचारी रोगों के नियंत्रण में उनके प्रयासों के लिए सिविल सर्जनों की सराहना की और उनसे बेहतर रोगी प्रबंधन के लिए नए प्रोटोकॉल और डिजिटल उपकरण अपनाने का आग्रह किया।

म्मेलन में बुनियादी ढाँचे में सुधार, चिकित्सा कर्मचारियों की भर्ती और जिला स्तर पर एमएमआर, आईएमआर, टीकाकरण अभियान और स्वच्छता अभियान जैसे निवारक स्वास्थ्य देखभाल उपायों को बढ़ावा देने के लिए चल रही परियोजनाओं पर चर्चा की गई। उन्होंने बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों की भी समीक्षा की और सिविल सर्जनों और अन्य अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि स्वास्थ्य विभाग स्थिति से निपटने के लिए हर तरह से तैयार है।

स्वास्थ्य मंत्री ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के सार्वभौमिक स्वास्थ्य सिद्धांत के मार्गदर्शन में पूरे हरियाणा में पर्याप्त, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के सरकार के संकल्प को दोहराया।

उन्होंने बताया कि सिविल अस्पतालों को उन्नत करने के लिए राज्यव्यापी परियोजना की शुरूआत, डिजिटल रोगी रिकॉर्ड प्रणाली और मानकीकृत प्रोटोकॉल की शुरूआत, जिला स्वास्थ्य टीमों को मजबूत करने के लिए नए चिकित्सा अधिकारियों और विशेषज्ञों की भर्ती, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान, गैर-संचारी रोग निगरानी और मजबूत रिपोर्टिंग प्रणाली राज्य सरकार द्वारा की गई प्रमुख पहल हैं।

छोटी सोच के कारण हो रही है कांग्रेस की दुर्दशा : पंडित मोहन लाल बड़ौली

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पीएम मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जाने वाले सेवा पखवाड़ा की तैयारियों को लेकर सोमवार को अंबाला, कुरूक्षेत्र और कैथल में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। तीनों कार्यशालाओं में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कार्यकर्ताओं के साथ सेवा पखवाड़ा के दौरान होने वाले कार्यक्रमों की चर्चा की और जरूरी दिशा निर्देश दिए।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कैथल में प्रेसवार्ता कर सेवा पखवाड़ा के दौरान होने वाले कार्यक्रमों के बारे में बताया और कांग्रेस पार्टी पर खुलकर निशाना साधा। उन्होंने एक सवाल पर बोलते हुए कहा कि कांग्रेस पॉजिटिव सोच के साथ राजनीति नहीं करती। सुरजेवाला की सोच बहुत छोटी है, इसलिए चुनाव नहीं जीत पाए। जनता सोच देखकर वोट देती है। सोच छोटी होना ही कांग्रेस की हार का कारण है। उन्होंने कहा कि लोगों को गुमराह करना, झूठ बोलना कांग्रेस पार्टी के नेताओं की आदत है, यही कांग्रेस की दुर्दशा का कारण है। हरियाणा की जनता का आशीर्वाद भाजपा के साथ है।

बाढ़ और जलभराव के सवाल पर उन्होंने कहा कि हरियाणा की नायब सरकार ने समय पर अच्छे बंदोबस्त किए हैं। जिला प्रशासन और भाजपा के नेता व कार्यकर्ता बाढ़ ग्रस्त इलाकों में लोगों की सेवा कर रहे हैं। हिमाचल और पंजाब में बाढ़ से काफी नुकसान हुआ है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब और हिमाचल राज्य को 5-5 करोड़ रुपये की सहायता राशि दी है। उन्होंने कहा कि पंजाब और हिमाचल में राहत सामग्री भेजी जा रही है। हरियाणा की जनता और सरकार पूरी तरह से बाढ़ से पीड़ित लोगों के साथ है और हर संभव सहायता कर रही है। पत्रकार वार्ता के दौरान प्रदेश अध्यक्ष बडौली के साथ जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

कुरूक्षेत्र में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलने वाला सेवा पखवाड़ा सेवा, समर्पण और सकारात्मक परिवर्तन का प्रतीक बनेगा।

सैन समाज की नई कार्यकारिणी का गठन : मुकेश सैन बने प्रधान

जीरकपुर : समाजसेवी मुकेश सैन को सर्वसम्मति से सैन सभा जीरकपुर का प्रधान नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर मोहाली, जीरकपुर, डेराबस्सी, लालड़, पीरमुछल्ला, बलटाना, डकोली, मुबारकपुर, सिंहपुरा, पबात, दयालपुरा, सनौली, चंडीगढ़ एवं पंचकूला से आए सैन समाज के सदस्यों ने भाग लिया और समाज को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें बलबीर सिंह घई को चेयरमैन, गुरप्रताप सिंह गोली को उप प्रधान, जगदीश कुमार को महासचिव, टोनी को सचिव, अनील कुमार को खजांची व ईश्वर सिंह को ऑडिटर नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त राकेश, मोहित, राहुल, तेजबीर सिंह, ईश्वर सिंह, मुकेश, सुदीप सिंह और राकेश ठाकर को सदस्य तथा रमेश गिलहोत्रा को मीडिया प्रभारी चुना गया। सभी उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने मुकेश सैन व पूरी नवनियुक्त कार्यकारिणी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ने जिला पंचकूला के प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। जिला पंचकूला के वर्षा प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति का आंकलन करने हेतु एक सक्रिय पहल के तहत, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) सुश्री अपर्णा भारद्वाज ने आज कई इलाकों का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य जमीनी हालात का जायजा लेना, निवासियों की शिकायतें सुनना और जिला प्रशासन के साथ समन्वय में आवश्यक राहत एवं उपचारात्मक उपाय सुनिश्चित करना था।

उनका पहला पड़ाव रायपुररानी में लोक निर्माण विभाग कार्यालय के सामने स्थित बागड़ी बस्ती था, जहाँ घरों के सामने अभी भी पानी जमा था। उनके पहुँचने पर बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएँ और स्थानीय निवासी एकत्रित हुए और उन्हें मौजूदा कठिनाइयों से अवगत कराया। उन्होंने घरेलू सामान और पशुओं को हुए नुकसान सहित अपनी समस्याएँ बताईं। आज अपने स्थलीय निरीक्षण के दौरान, सुश्री भारद्वाज ने एक बार फिर डीएलएसए के कर्मचारियों को जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी (डीडीपीओ) और बीडीपीओ, रायपुर रानी के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया ताकि बागड़ी बस्ती में जमा पानी की पूरी तरह से निकासी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि कार्य की तस्वीरें और वीडियो अनुपालन के प्रमाण के रूप में उनके कार्यालय में भेजे जाएँ।

यह स्मरणीय है कि इससे पहले, भारी बारिश के दौरान, सुश्री भारद्वाज ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने के लिए पैरा लीगल वालंटियर्स (पीएलवी) की एक टीम को तुरंत तैनात किया था। उनके निर्देश पर, पीएलवी ने रायपुर रानी के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी (बीडीपीओ) के साथ समन्वय किया और बागड़ी बस्ती के आवासीय क्षेत्र से पानी निकालने की व्यवस्था की गई। इसके बाद, सुश्री भारद्वाज ने घग्गर नदी के पास निचले इलाकों का दौरा किया, जहाँ कई परिवार अस्थायी झुग्गियों में रहते हैं। उन्होंने निवासियों से बातचीत की और उनकी सुरक्षा और अन्य जरूरी जरूरतों के बारे में जानकारी ली। परिवारों ने उन्हें बताया कि हाल ही में हुई भारी बारिश के बावजूद, वे फिलहाल सुरक्षित हैं और उन्हें तत्काल सहायता की आवश्यकता नहीं है।

उनका अंतिम दौरा खरक मंगोली की झुग्गियों में हुआ, जहाँ उन्होंने भारी बारिश के कारण लोगों की कठिनाइयों को समझने के लिए सीधे नागरिकों से बातचीत की। लोगों ने बताया कि वर्तमान में वे सुरक्षित हैं। सुश्री भारद्वाज ने उन्हें आधिकारिक डीएलएसए हेल्पलाइन नंबर - 0172-2585566 - और एनएएलएसए टोल-फ्री नंबर - 15100 प्रदान किया, और उन्हें कानूनी सहायता, राहत समन्वय या आपातकालीन सहायता से संबंधित किसी भी सहायता के लिए संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने क्षेत्रीय दौरों के दौरान, सुश्री भारद्वाज ने इस बात पर जोर दिया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, डीएलएसए, पंचकूला यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि नागरिक, विशेष रूप से कमजोर वर्गों के लोग, प्राकृतिक आपदाओं के समय में उपेक्षित न रहें। उन्होंने दोहराया कि समय पर सहायता, कानूनी जागरूकता और सरकारी तंत्र के साथ समन्वय डीएलएसए, पंचकूला की सर्वोच्च प्राथमिकताएँ हैं।